# Govt. J.M.C. Mahila Mahavidyalaya, Mandla, Madhya Pradesh

# AISHE Code: C-33429

Accredited: Grade 'B' by NAAC

Phone: 07642-252536

E-Mail: hegjcgcman@mp.gov.in

Website: https://gjmcgirlscollegemandla.in/





Syllabi for Department of Hindi Literature

# Index

| Sr. No. | Title  | Page No. |
|---------|--|----------|
| 1       | Syllabus for B.A.<br>First Year Students     | 1-14     |
| 2       | Syllabus for B.A.<br>Second Year<br>Students | 15-26    |
| 3       | Syllabus for B.A.<br>Third Year<br>Students  | 27-42    |

# सैद्धांतिक प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम हेतु प्रारूप

|            | किम: <b>प्रमा</b> ण                   | ा पत्र                              | भाग अ -                                |  |          |   |
|------------|---------------------------------------|-------------------------------------|--|--|----------|---|
|            |                                       |                                     | कक्षा : बी.ए                           |  | म वर्ष   | सत्र: 2021-22                               |
| 1          |                                       |                                     | विषय: हिंदी                            | साहित्य  |          |   |
| 2          |                                       | ा का कोड<br>जनकी                    | A1-HLIT1T                              | · · · · · ·  |          |   |
| -/-        |                                       | ा का शीर्षक<br>                     | हिंदी काव्य <sub>(</sub> प्रश्न        | . पत्र 1)  |          |   |
| 3          | 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 | का प्रकार ⊗कोर                      | कोर कोर्स                              |  |          |   |
|            |                                       | क्टिव/जेनेरिक<br>/वोकेशनल/)         |  |  |          |   |
| 4          |                                       | (Prerequisite)                      |  |  | 0        |   |
|            | (यदि कोई                              |                                     | इस कोर्स का अध्य<br>कक्षा 12वीं प्रमाण |  |          | र्यार्थी ने किसी भी विषय से<br>, पात्र हैं। |
| 5          |                                       | अध्धयन की                           | 1 इस पाठ्यक्रम                         | के अध्ययन  | से विव   | द्यार्थी हिन्दी काव्य की                    |
|            | NACES STREET                          | यां (कोर्स लर्निंग                  | सुदीर्घ परम्परा सं                     | ने परिचित हों  | गे।      |   |
|            | आउटकम)                                | ) (CLO)                             |  |  |          | रेश की सामाजिक,                             |
|            |                                       |                                     | सांस्कृतिक एवं र                       |  |          |   |
|            |                                       | •                                   |  |  |          | स होगा, उनकी जीवन                           |
|            |                                       |                                     |  |  |          |   |
|            |                                       |                                     |  | दृष्टि का विस्तार होगा जिससे वह जीवन एवं जीवन मूल्यों को<br>समझने में सक्षम होंगे।   |          |   |
|            |                                       |                                     |  |  |          |   |
|            |                                       |                                     |  | 4 रचनात्मक कौशल में दक्षता होगी जिससे उन्हें रोजगार की   |          |   |
|            |                                       |                                     | अनेक संभावनायें                        | मिलगा।   |          |   |
| 6          | क्रेडिट मान                           |                                     | 06<br>अधिकतम अंक: 25+                  | 75   | न्यतन    | न उत्तीर्ण अंक: 33                          |
| 7          | कुल अंक                               |                                     | ाधकतम जफ: 25+<br>भाग ब- पाठ्यक्रम की   |  | <u> </u> | 1 3 11 1 41 17, 55                          |
| गाला       | ान की कल र                            | <mark>संख्या-</mark> 90 (प्रति सप्त |  |  |          |   |
| <u>काई</u> | <u>1-1 1-1 g-1 -</u>                  | विषय                                |  |  |          | व्याख्यान की संख्या                         |
| काई-।      | 1                                     | भारतीय ज्ञान                        | परंपरा के अन्तर्गत                     | हिन्दी सार्गि  | हेत्य व  | 市 16  |
|            |                                       | डतिहास की पृष्                      | ठभूमि एवं प्रमुख कवि                   | रे ि   |          |   |
|            |                                       |                                     | न के इतिहास की पृष्ठ                   |  |          |   |
|            |                                       |                                     | जन एवं नामकरण                          |  |          |   |
|            |                                       |                                     | की सामाजिक एवं सां                     | स्कृतिक पृष्ठ  | भूमि     |   |
|            |                                       | 1.2. आदिकातीन                       | न काव्य धाराएँ एवं प्र                 | वृत्तियाँ  |          |   |
|            |                                       | 1.3. आदिकालीन<br>1.4. आदिकालीन      |  |  |          |   |
|            |                                       |                                     | 1 11 11                                |  |          |   |
|            |                                       | ॥ प्रमुख कवि-                       | יבחוובח חבי ההווישייי                  |  |          |   |
|            |                                       |                                     | व्याख्या एवं समीक्षा)                  | 7 0 10   |          |   |
|            | 1.1                                   |                                     | सबदी- पद सं. 2, 4,                     | 7, 8, 16   |          |   |
|            |                                       | राग रामग्री प                       | पद 10, 11                              |  |          |   |
|            |                                       |                                     |  |  | V        | (3)   |
|            |                                       |                                     |  | A PARTY OF THE PAR |          | 204   |
| 1          |                                       |                                     |  |  | 1.174    | 17.8.2021,<br>17.8.2021,<br>11 your 34      |

|        | 2.2 चंदबरदाई (व्याख्या एवं समीक्षा)               |
|--------|---|
|        | पृथ्वीराज रासो -                                  |
|        | कनवज्जा समय -कवित्त 144,145,146                   |
|        |   |
|        | 2.3 विद्यापति (व्याख्या एवं समीक्षा)-             |
|        | पदावली- पद सं. 1, 49, 54, 55, 58                  |
| -      |   |
| इकाई-2 | 1 भक्तिकाल एवं प्रमुख कवि                         |
|        | 1.1 भक्ति आंदोलनः सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि   |
|        | 1.2 काव्य धाराएँ एवं प्रवृतियाँ                   |
|        | 1.3 प्रमुख निर्गुण एवं सगुण कवि, भक्ति काल        |
|        | की प्रवृतियाँ                                     |
|        | 2 प्रमुख कवि- निर्गुण मार्गी                      |
|        | 2.1 कबीरदास (व्याख्या एवं समीक्षा)                |
|        | साखी- गुरुदेव को अंग- 1, 5, 7, 11, 13             |
|        | विरह को अंग- 4, 10, 12, 20, 23                    |
|        | पद-   |
|        | • दुलहनीं गावहु मंगलचार                           |
|        | • पंडित बाद बदंते झूठा                            |
|        | • लोका मति के भोरा रे                             |
|        | <ul> <li>बोलों भाई राम की दुहाई</li> </ul>        |
|        | 2.2 मलिक मोहम्मद जायसी (व्याख्या एवं समीक्षा)     |
|        | मानसरोदक खण्ड- पदसं. 1 से 3                       |
|        | 3 प्रमुखकवि- सगुणमार्गी                           |
|        | 3.1 सूरदास (व्याख्या एवं समीक्षा)                 |
|        | पद सं. 21, 23, 25, 85                             |
|        | 3.2 गोस्वामी तुलसीदास (व्याख्या एवं समीक्षा)      |
|        | अयोध्याकाण्ड-                                     |
|        | मागी नाव न केवटु आना । कहइ तुम्हार मरमु मैं जाना॥ |
|        | से  |
|        | बिदा कीन्ह करुनायतन भगति बिमल बरु देइ। (102       |
|        | दोहा तक)  |
| इकाई-3 | 1 रीतिकाल की पृष्ठभूमि एवं प्रमुख कवि ।           |
| ·      | 1.1 रीतिकाल की सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि      |
|        | 1.2 रीतिकालीन साहित्य के प्रमुख भेद- रीतिसिद्ध,   |
|        | · · · · · · · · · · · · · · · · · · ·             |
|        | 3.1 ELIST -3. 3.1 ELILAN FOR 17.9.2021            |
|        | ~_^   |

|        | रीतिबद्ध और रीतिमुक्त                                   |  |
|--------|---|--|
|        | 1.3 रीतिकाल की प्रवृत्तियाँ                             |  |
|        | 2 प्रमुख कवि  |  |
|        | 2.1 बिहारी (व्याख्या एवं समीक्षा)                       |  |
|        |   |  |
|        | दोहा क्र. 1, 16, 18, 20, 21, 25, 27, 28, 37, 46         |  |
|        | 2.2 भूषण (व्याख्या एवं समीक्षा)                         |  |
|        | शिवा बावनी पद सं. 4, 25, 26                             |  |
|        | छत्रसाल दशक पद सं. 1, 7                                 |  |
| इकाई-4 | 1 आधुनिक काल की पृष्ठभूमि एवं प्रमुख कवि                | 20   |
|        | 1.1 आधुनिक काल की सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभू           | मि,  |
|        | पुनर्जागरण काल, हिन्दी नवजागरण काल एवं प्रवृतियाँ       | •  |
|        | 1.2 भारतेन्दु युगीन साहित्य एवं प्रवृत्तियाँ            |  |
|        | 1.3 द्विवेदी युगीन साहित्य एवं प्रवृत्तियाँ             |  |
|        | 1.4 छायावाद युगीन साहित्य एवं प्रवृतियाँ                |  |
|        | 2 प्रमुख कवि  |  |
|        | 2.1 भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (व्याख्या एवं समीक्षा)        |  |
|        | हिन्दी भाषा- निज भाषा उन्नति अहे, सब उन्नति व           | को   |
|        | मूल (10 दोहे)   |  |
|        | 2.2 अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' (व्याख्या ए            | a  |
|        | समीक्षा)  |  |
|        | काव्य- एक बूंद, मीठी बोली                               |  |
|        | 2.3 जयशंकर प्रसाद (व्याख्या एवं समीक्षा)                |  |
|        | कामायनी के श्रद्धा सर्ग से- "प्रकृति के यौवन का शृंगार  |  |
|        | करेंगे कभी न बासी फूल से                                |  |
|        | खिंची आवेगी सकल समृद्धि'' तक का अंश                     |  |
|        | 2.4 सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' (व्याख्या एवं समीक्षा) |  |
|        | जागो फिर एक बारः भाग 2, वह तोइती पत्थर                  |  |
|        | 2.5 महादेवी वर्मा (व्याख्या एवं समीक्षा)                |  |
|        | में नीर भरी दुख की बदली                                 |  |
|        | बीन भी हूँ में तुम्हारी, रागिनी भी हूँ                  |  |
| इकाई-5 | 1 छायावादोत्तर काव्य धाराएँ एवं प्रमुख कवि              | 20   |
|        | 1.1 उत्तर छायावाद की विविध वैचारिक प्रवृतियाँ           |  |
|        | 1.2 प्रगतिवाद साहित्य एवं प्रवृतियाँ                    |  |
|        | 1.3 प्रयोगवाद साहित्य एवं प्रवृत्तियाँ                  |  |
|        | 1.4 नईकविता, समकालीन कविता, प्रमुख प्रवृत्तियां         | 631  |
|        |   | J. your sel<br>31 your sel<br>31 eut, sel A 31 |
|        |   | Jugar Star A 30                                |
|        |   | 31844, 5 HOLE                                  |

|                                    | 2 प्रमुख कवि   |
|------------------------------------|--|
|                                    | 2.1 अज्ञेय (व्याख्या एवं समीक्षा)  |
|                                    | नदी के द्वीप, यह दीप अकेला   |
|                                    | 2.2 गजानन माधव 'मुक्तिबोध' (व्याख्या एवं समीक्षा)  |
|                                    | में तुम लोगों से दूर हूँ, भूल गलती   |
|                                    | 2.3 नागार्जुन (व्याख्या एवं समीक्षा)   |
|                                    | अकाल और उसके बाद, बादल को घिरते देखा है  |
|                                    | 2.4 धूमिल (व्याख्या एवं समीक्षा)   |
|                                    | रोटी और संसद, बीस साल बाद  |
|                                    | 3 अभ्न्यास   |
|                                    | 3.1 काव्यपाठ (सस्वर)   |
|                                    | 3.2 सुलेखन   |
|                                    | 3.3 शुद्धवाचन  |
| सार बिंदु (की वर्ड) <i>[</i>       | टैग, पुनर्जागरण, नवजागरण, समकालीन सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, काव्य प्रवृत्तियां   |
|                                    | भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन  |
|                                    | पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन   |
| अनुशासत सहायक<br>पांठ्य पुस्तकें – | पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री:  |
|                                    | डथ्वाल, पीतांबरदत्त, ''गोरखबानी'' प्रकाशन हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयाग  |
|                                    | न, आनंद प्रकाश, "विद्यापति पदावली" साहित्य मंदिर प्रकाशन ग्वालियर  |
|                                    | ,<br>स. श्यामसुन्दर ''कबीर' ग्रंथावली'' नागरी प्रचारणी सभा वाराणसी   |
|                                    | , अचार्य रामचन द्र", जायसी ग्रन थावली" नागरी प्रचारणी सभा वाराणसी  |
|                                    | आचार्य रामचन्द, "भ्रमरगीत सार" लोक भारती प्रकाशन इलाहबाद   |
|                                    | वामी, तुलसीदास , "श्रीरामचरितमानस" गीता प्रेस गोरखपुर  |
|                                    | कर, जगन नाथदास, ''बिहारी रत्नाकर'' रत्नाकर पब्लिकेशन वाराणसी   |
|                                    | विश् वनाथ प्रसाद", ""भूषण ग्रंथावली" साहित्य सेवक कार्यालय काशी  |
|                                    | विर वनाय प्रसाद",""न्द्रपण अयापलान साहत्य संपर्ध फायालय फासा<br>हेमंत, "भारतेन्दु समग्र" हिन्दी प्रचारक संस्था वाराणसी       |
|                                    | हमत, "मारतन्दु समग्र" हिन्दा प्रयोरक संस्था परिणिसा<br>सदानन द ,"अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध रचनावली" वाणी प्रकाशन नई दिल्ली |
|                                    |  |
|                                    | जयशंकर ,''कमायनी'' लोक भारती प्रकाशन इलाहबाद   |
|                                    | रामविलास, ''राग-विराग'' लोक भारती प्रकाशन इलाहबाद  |
|                                    | नहादेवी, ''परिक्रमा'' साहित्य भवन प्रा लि इलाहबाद  |
|                                    | nल, कृष्णदत्त, "अज्ञेय रचनावली" भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन नई दिल्ली  |
|                                    | बोध, गजानन माधव, "चाँद का मुँह टेढ़ा है" राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली  |
|                                    | नामवर, "प्रतिनिधि कविताएं नागार्जुन" राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली  |
|                                    | क द्विवेदी ,हजारिप्रसाद "संक्षिप्त पृथ्वीराज रासो" काशी विश्वविद्यालय, वनारस   |
| प्रथम                              | संस्करण 1952 ई.<br>17.6.2921   |
|                                    | 2021   |

|     | र्भ ग्रन्थ-   |
|-----|---|
| 1.  | डॉ. नगेंद्र, (संपा.), "हिंदी साहित्य का इतिहास", नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नईदिल्ली, 1976                   |
| 2.  | शुक्ल, रामचंद्र "हिंदी साहित्य का इतिहास", लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2019                            |
| 3.  | तिवारी, रामचंद्र, "हिंदी गद्य का इतिहास", विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1992                          |
| 4.  | चतुर्वेदी, रामस्वरूप, "हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास", लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबा                    |
|     | 2019  |
| 5.  | सिंह नामवर "आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियां", राजकमल प्रकाशन, नईदिल्ली, 2011                             |
| 6.  | ओझा, डॉ. दुर्गा प्रसाद एवं राय डॉ. अनिल, ''छायावादोत्तर काव्य प्रतिनिधि रचनाएं'', प्रकाश<br>केंद्र लखनऊ |
| 7.  | ओझा, डॉ. दुर्गाप्रसाद, ''आधुनिक हिंदी कविता'', प्रकाशन केंद्र, लखनऊ, 2011                               |
| 8.  | द्विवेदी, हजारीप्रसाद, "हिन्दी साहित्य का आदिकाल" बिहार राष्ट्र भाषा परिषद, पटना, 196                   |
|     | तृतीय सं.   |
| 9.  | भटनागर, डॉ. रामरतन, ''प्राचीन हिन्दी काव्य'', इंडियन प्रेस लिमिटेड, प्रयाग, 1952                        |
| 10. | द्विवेदी, हजारीप्रसाद,''हिन्दी साहित्य की भूमिका'', हिन्दी ग्रन्थ रत्नाकर कार्यालय, मुम्बई,             |
|     | 1940  |
| 11. | श्रीवास्तव, डॉ. रणधीर, ''विद्यापति: एक अध्ययन'',भारतीय ग्रन्थ निकेतन, नयी दिल्ली                        |
|     | 1991  |
| 12. | सिंह. डॉ. शिवप्रसाद, ''विद्यापति'', हिन्दी प्रचारक पुस्तकालय, वाराणसी,1957                              |
|     | वर्मा, रामकुमार, "संत कबीर साहित्य" भवन लिमिटेड, इलाहाबाद, 1943   |
|     | द्विवेदी, हजारीप्रसाद, "कबीर", हिन्दी ग्रन्थ रत्नाकर कार्यालय, मुम्बई, 1946                             |
|     | वर्मा रामकुमार ''कबीर का रहस्यवाद'', साहित्य भवन, इलाहाबाद, 1941  |
| 16. | वर्मा, रामलाल, ''जायसी : व्यक्तित्व एवं कृतित्व'', भारतीय ग्रन्थ निकेतन, दिल्ली, 1979                   |
| 17. | पाठक, शिवसहाय, ''मलिक मोहम्मद जायसी और उनका काव्य'', साहित्य भवन, इलाहाबाद                              |
| 18. | शर्मा मुंशीराम, "सूरदास का काव्य वैभव", ग्रन्थम प्रकाशन, कानपुर, 1965                                   |
| 19. | किशोरीलाल, ''सूर और उनका अमरगीत'', अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद, 1993                                   |
| 20. | वाजपेयी, नन्ददुलारे, ''सूरसंदर्भ'', इंडियन प्रेसलिमिटेड, प्रयाग   |
| 21. | त्रिपाठी, रामनरेश, ''तुलसीदास और उनकीकविता (भाग-1)'', हिन्दीमंदिर, प्रयाग, 1937                         |
|     | दीक्षित राजपति, "तुलसीदास और उनका युग", ज्ञानमंडल लिमिटेड, वाराणसी, 1953                                |
|     | त्रिगुणायत, गोविन्द, ''कबीर की विचारधारा'', साहित्य निकेतन, कानपुर                                      |
| 24. | उपाध्याय विशम्भर नाथ, ''सूर का भ्रमरगीत : एक अन्वेषण'', विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा                       |
|     | डॉ. नगेन्द्र, ''कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ'', नेशनल पब्लिशिंगहाउस, नयी दिल्ली                        |
|     | शर्मा, रामविलास, ''निराला की साहित्य साधना, भाग-2'', राजकमल प्रकाशन, नयीदिल्ली                          |
|     | गौड, राजेंद्रसिंह, ''आधुनिक कवियों की काव्य साधना'', श्रीराम, मेहता एंडसंस, आगरा, 1953                  |
|     | सक्सेना, द्वारिका प्रसाद, "हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि", विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा                   |
|     | कुमारविमल, ''छायावाद का सौन्दर्य-शास्त्रीय अध्ययन'', राजकमल प्रकाशन, नयीदिल्ली, 1970                    |
|     | 51 yoursd 35.14   |
|     | -17.0 - Ed as its   |

| 22 0 0 0  |   |               |
|---|---|---------------|
| 30. तिवारी, विश्वनाथ प्रसाद,  | ''समकालीन हिन्दी कविता'', राधाकृष्ण प्रकाशन,            | नयी दिल्ली    |
| 31. चतुवदा, रामस्वरूप, "अञ्   | नय का रचनासंसार", राधाकृष्ण प्रकाशन नगीदिन्न            | <del>n</del>  |
| 32. सिंह, विजयबहादुर, ''नाग   | ार्जुन का रचनासंसार", सम्भावना प्रकाशन, हापुइ,          | 1000          |
| 33. अष्टेकर, "कटघरे का का   | वे धूमिल", पंचशील प्रकाशन, जयपुर                        | 1982          |
| 34. नवल, नंदकिशोर, "मक्ति   | बोध'', साहित्य अकादेमी, नयी दिल्ली                      |               |
| 35. त्रिपाठी, डॉ. हंसराज "भ   | त्म संघर्ष की कविता मुक्ति बोध", मानस प्रकाशव           |               |
| 36 सिंह शम्भनाश ''लागान   | ति रायन की कविता मुक्ति बाध", मानस प्रकाशव              | न, प्रतापगढ़  |
| ३६ अनेग "कामा सन्दर"  | दयुग'', सरस्वती मन्दिर प्रकाशन, वाराणसी, 196            | 2             |
| ३०. जगय, दूसरा सप्तक", 1<br>२० <del>२</del> २                               | प्रगति प्रकाशन, नयी दिल्ली, प्रतीक प्रकाशन माल          | , 1951        |
| 38. बिसारिया, डा. पुनीत, ''प्र  | ाचीन हिन्दी काव्य", श्रीनटराज प्रकाशन, दिल्ली, 2        | 2007          |
| 39. सिंह, डॉ. उदयप्रताप, ''ना   | थपंथ और गोरखबानी'', आर्यावर्त संस्कृति संस्थान          | , दिल्ली 2011 |
|   |   |               |
| 2. अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म वे  | ब लिंक  |               |
| 1. <u>www.wikipidiya.org</u>  |   |               |
| 2. www.egyankosh.ac.in  |   |               |
| 3. <u>www.youtube.com</u><br>4 https://epup.inflib.oct.o                    |   |               |
| <ul><li>4. <u>https://epgp.inflibnet,a</u></li><li>5. hindiwi.org</li></ul> |   |               |
| 6. kavitakosh.org   | •   |               |
| 7. https://swayam.gov.in  |   |               |
| अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ  |   |               |
|   | भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:                     |               |
| अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां  |   |               |
| अधिकतम अंक: 100<br>सन्तर जन्मस्य सन्तर्ग (CCC) शंक                          | : 25विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 75                |               |
| आंतरिक मूल्यांकन:   | ्र 25ाप वापधालयान पराका (UE) जक: 75<br>क्लास टेस्ट      | 15            |
| सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):   | असाइनमेंट/ प्रस्त्तीकरण (प्रेजेंटेशन)                   | 10            |
|   |   | कुल अंक :25   |
| आकलन :  | अनुभाग (अ): तीन अति लघु प्रश्न (प्रत्येक 50 शब्द)       | 03 x 03 = 09  |
| विश्वविद्यालयीन परीक्षाः  | अनुभाग (ब): चार लघु प्रश्न (प्रत्येक 200शब्द)           | 04 x 09 = 36  |
| समय- 02.00 घंटे   | अनुभाग (स): दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 500 शब्द) | 02 x 15 = 30  |
|   |   | कुल अंक 75    |
| कोई टिप्पणी/सुझाव:  |   |               |
| ald DUUI/Herd'  |   |               |

ात.08.2021 डा your zei अध्यक्ष, अध्यक्षम मज्जल हिन्ही स्पष्टित्म्

# सैद्धांतिक प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम हेतु प्रारूप

|                        |   |   | भाग अ - पा  | रेचय   |   |  |
|------------------------|---|---|---|--|---|--|
| कार्यक्रम: प्रमाण पत्र |   | कक्षा : बी.ए.   | वर्ष:: प्रथम वर्ष   | सत्र: 2021-22  |   |  |
|                        |   |   | विषयः हिंदी र   | ताहित्य  |   |  |
| 1                      | पाठ्यक्रम का कोड A1-HLIT2T  |   |   |  |   |  |
| 2                      | पाठ्यक्रम का  | शीर्षक  | कांर्यालयीन हिंदी   | एवं भाषा कम्प्यू   | टिंग (प्रश्न पत्र 2)                              |  |
| 3                      | पाठ्यक्रम का प्रकार <b>:</b> (कोर<br>कोर्स/इलेक्टिव/जेनेरिक<br>इलेक्टिव/वोकेशनल/) |   | कोर कोर्स   |  |   |  |
| 4                      | पूर्वापेक्षा (Prerequisite)<br>(यदि कोई हो)                                       |   |   | ान करने के लिए, वि<br>पत्र/डिप्लोमा किया   | प्रेद्यार्थी ने किसी भी विषय से<br>हो, पात्र हैं। |  |
| 5                      | पाठ्यक्रम अध्धयन की<br>परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग<br>आउटकम) (CLO)                 |   | 1 इस कोर्स के माध्यम से विद्यार्थी कार्यालय के कार्यों की<br>मूलभूत जानकारी एवं कार्यशैली से परिचित हो सकेंगे। जिससे वे<br>कार्यालयीन कार्य करने में सक्षम होंगे।<br>2' नई तकनीकी के माध्यम से ज्ञान विज्ञान के-क्षेत्र में<br>विशेषज्ञता प्राप्त कर सकेंगे<br>3 भाषा कम्प्यूटिंग में दक्षता होगी तथा रोजगार प्राप्ति के<br>अवसर मिलेंगे। |  |   |  |
| 6                      | क्रेडिट मान   | · · · ·   | 06  | <u>}}</u>  |   |  |
| 7                      | कुल अंक   |   | अधिकतम अंक: 25+75 न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 33  |  |   |  |
|                        |   |   | भाग ब- पाठ्यक्रम व  |  |   |  |
|                        |   | या- 90 (प्रति सप्ताः  | ह घंटे में 02)  |  |   |  |
| इकाई                   |   | विषय  | all' all'   |  | व्याख्यान की संख्या                               |  |
| इकाई                   |   | 1.1 कार्यालयीन<br>1.2 कार्यालयीन<br>अंतर<br>1.3 कार्यालयीन<br>1.4 हिन्दी के प्र<br>कार्यालयीन, सा<br>विधिक एवं का | न्दी कंा स्वरूप, उद्देश्य<br>हिन्दी का स्वरूप प<br>हिन्दी तथा सामान्य<br>कार्यकलाप की साम<br>वोजनमूलक संदर्भः<br>हित्थिक, वाणिज्यिक,<br>नूनी, जनसंचार माध्य<br>की संवैधानिक स्थि  | खं उद्देश्य<br>य हिन्दी का संबंध<br>गन्य जानकारी<br>,वैज्ञानिक, तकनीव<br>यम आदि। |   |  |
| इकाई-2                 |   | हिन्दी के शब्द<br>1.1 हिन्दी में उ<br>देवनागरी लिपि   | संसाधन (कम्प्यूटर<br>पलब्ध सॉफ्टवेयर ए<br>के विविध फोण्ट्स,<br>ो., पोस्टर निर्माण, स्   | वं विभिन्न की-बो<br>यूनीकोड, हिन्दी  |   |  |

29-05-2021

29. 05.21 51 प्रव्या दुई अध्यहा, लेन्द्रीय अध्ययन मवाल की ७१० प्रथम बर्स, हिन्दी स्वाहित्य

|  | 1.2 हिंदी का मानकीकृत रूप  | रा पुरुषा दुवा<br>हेन्द्रीय अध्ययन मठाल<br>वर्ष, हिन्दी स्पहित्य  |
|--|--|---|
| (काइ-)   | 1 कम्प्यूटर एवं इंटरनेट में हिंदी भाषा एवं देवनागरी लिपि<br>के अनुप्रयोग<br>1.1 कम्प्यूटर में हिन्दी भाषा के विकास का इतिहास |   |
| रकाई-5   | 2.4 प्रतिवेदन का अर्थ, सामान्य परिचय एवं प्रयोग  | 20  |
| A REAL PROPERTY OF A REAL PROPER | पल्लवन के सिद्धांत, पल्लवन और निबंध लेखन में<br>अंतर   |   |
|  | पद्धति, टिप्पण और टिप्पणी में अंतर<br>2.3 संक्षेपण का अर्थ एवं संक्षेपण-पद्धति, पल्लवन का अर्थ,                              |   |
| 11×1. (  | 2.2 टिप्पण का अर्थ, सामान्य परिचय, टिप्पण लेखन की  |   |
|  | 2.1 प्रारूपण पग जय, सामान्य पारचय, प्रारूपण लखन का<br>पद्धति   | (   |
|  | मानकीकरण<br>2.1 प्रारूपण का अर्थ, सामान्य परिचय, प्रारूपण लेखन की  | 1   |
|  | 2 प्रारूपण, टिप्पण, संक्षेपण, पल्लवन, प्रतिवेदन एवं हिंदी का   |   |
|  | 1.10 प्रेस विज्ञसि, एवं अन्य कार्यालयीन पत्र   |   |
|  | 1.9 संकल्प   |   |
|  | 1.8 निविदा   |   |
|  | 1.7 विज्ञापन   |   |
|  | 1.6 कार्यालयीन जापन  |   |
|  | 1.5 अधिसूचना   |   |
|  | 1.3 फीयालयान आदरा<br>1.4 परिपत्र   |   |
|  | 1.2 शासकीय एवं अर्द्धशासकीय पत्र-<br>1.3 कार्यालयीन आदेश   | · · · · ·   |
|  | 1.1 आवेदन पत्र   | A second s |
| इकाई-4   | 1 कार्यालयीन हिन्दी पत्राचारः  | 20  |
|  | 1.3 पदनाम एवं अनुभाग   | 20  |
|  | विधि संबंधी एवं वाणिज्यिक पारिभाषिक शब्दावली   | $i\left(\int_{t_{1}}^{t_{2}} \lambda_{\lambda_{1}}\right)$  |
|  | 1.2 कार्यालयीन हिंदी की पारिभाषिक शब्दावली प्रशासनिक,  |   |
|  | 1.1 शब्दावली निर्माण के सिद्धांत   |   |
| इकाई-3   | कार्यालयीन हिन्दी में प्रयुक्त पारिभाषिक शब्दावली  | 16  |
|  | सरकारी तथा गैर सरकारी चैनल, आभासी कक्षाएं  |   |
|  | 1.2 हिन्दा से संबाधत वबसाइट, इ मल, इटरनट पर<br>उपलब्ध पत्र-पत्रिकार्ये, दृश्य श्रव्य सामग्री, ई पुस्तकालय,                   |   |
|  | 1.2 हिन्दी से संबंधित वेबसाईट, ई मेल, इंटरनेट पर   |   |

|             | - फेसबुक, यूट्यूब एवं अन्य प्लेटफार्म   |                           |
|-------------|---|---------------------------|
|             | 1.4 ई-गर्वनेंस  |                           |
|             | 1.5 विराम चिह्न, अशुद्धि-संशोधन एवं प्रूफ-शोधन  |                           |
|             | 1.6 व्यावहारिक अभ्यास - विभिन्न प्रकार के कार्यालयीन  |                           |
|             | पत्र, ब्लॉगिंग, पोस्टर , ईमेल एवं अन्य-   |                           |
| सार बि      | <b>बेंदु (की वर्ड)/टैग:</b> कार्यालयीन हिन्दी, शब्द संसाधन, कार्यालयीन पत्राचार, संक्षेपण, पल्ल | वन, देवनागरी लिपि के      |
| अनुप्रयं    | गेग, स्पीच टू टेक्स एवं टेक्स टू स्पीच, हिन्दी शार्टहेन्ड, प्रूफ-शोधन                           | · ·                       |
| 1000        | भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन   | 1111                      |
|             | पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन  |                           |
|             | सेत सहायक पुस्तकें  |                           |
|             |   | in the second             |
| 1.          | सागर, रामचंद्र सिंह, ''कार्यालय कार्य-विधि'', आत्माराम एंड संस, नयी दिव                         |                           |
| 2.          | शर्मा, चंद्रपाल, ''कार्यालयीन हिन्दी की प्रकृति'', समता प्रकाशन, दिल्ली 1                       |                           |
| 3.          | "प्रज्ञा पाठमाला", राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नयी दिल                             | <u>સ્</u> ભી              |
| 4.          | गोदरे, डॉविनोद., ''प्रयोजनमूलक हिन्दी'', वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, 200                          | 9                         |
| 5.          | झाल्टे दंगल, ''प्रयोजनमूलक हिन्दीः सिद्वांत और प्रयोग'', वाणी प्रकाशन                           | , नयी दिल्ली, 2016,       |
|             | पंचम संस्करण  |                           |
| 6.          | सोनटक्के, डॉमाधव., ''प्रयोजनमूलक हिन्दीः प्रयुक्ति और अनुवाद'', वाणी                            | । प्रकाशन, नयी दिल्ल      |
| 7.          | भाटिया, कैलाशचन्द्र, "प्रयोजनमूलक हिन्दी : प्रक्रिया और स्वरूप" तक्षशिव                         |                           |
| <i>'</i> .  | दिल्ली 2005   |                           |
| •           | 18811. 641  |                           |
| 8.          | जैन, डा.संजीव कुमार सं., ''प्रयोजनमूलक कामकाजी हिन्दी एवं कम्प्यूरि                             | ्ग, कलारा पुस्तक          |
|             | सदन, भोपाल  | 2.0.2                     |
| 9.          | मल्होत्रा, विजयकुमार, "कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग", वाणी प्रकाशन, व                           |                           |
| 10.         | गोयल, संतोष, "हिन्दी भाषा और कम्प्यूटर", श्री नटराज प्रकाशन, दिर्ल्ल                            |                           |
| 11.         | हरिमोहन, "आधुनिक जनसंचारा और हिन्दी", तक्षशिला प्रकाशन, नयी दि                                  | ल्ली                      |
| 12.         | हरिमोहन, "कम्प्यूटर और हिन्दी", तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली                                    |                           |
| 13.         | द्विवेदी, संजय ''नए समय का संवादः सोशल नेटवर्किंग'' , नेहा, पब्लिशर्स                           | एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, नर् |
| .(111       | दिल्ली  |                           |
| 14.         | शुक्ल, सौरभ, ''नए जमाने की पत्रकारिता, विजडम विलेज'' पब्लिकेशन्स                                | न, दिल्ली                 |
| 15.         | कुमार, सुरेश, ''इन्टरनेट पत्रकारिता'', तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली                             |                           |
| 16.         | श्रीवास्तव, गोपीनाथ, "कम्प्यूटर का इतिहास और कार्यविधि", सामयिक                                 | गकाशन नगी दिल्ली          |
|             |   |                           |
| 17.         | सिंह, अजय कुमार, ''इलेक्ट्राॅनिक पत्रकारिता, लोकभारती प्रकाशन इलाह                              | oalg 2014                 |
| 2. अन्<br>1 | नुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म वेब लिंक<br>. www.wikipidiya.org                                      |                           |
| 2           | . www.egyankosh.ac.in   |                           |
|             | . www.youtube.com   |                           |
|             | . https://epgp.inflibnet,ac.in  | 2                         |

अहयम केन्द्रीय अहम्मेग मठाल बी०ए० जपम वर्ष, रिहन्द्री सार्रिल्य् 5. Hi.m.wikipidiya.org

6. www.india.gov.in>topics

| भाग, द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:  |  |
|---|--|
| ।<br>25विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 75   |  |
| क्लास टेस्ट<br>असाइनमेंट/ प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन)  | 15<br>10<br>कुल अंक <b>:25</b>   |
| अनुभाग (अ): तीन अति लघु प्रश्न (प्रत्येक 50 शब्द)<br>अनुभाग (ब): चार लघु प्रश्न (प्रत्येक 200शब्द)<br>अनुभाग (स): दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 500 शब्द) | 03 x 03 = 09<br>04 x 09 = 36<br>02 x 15 = 30<br>कुल अंक <b>75</b>  |
| रा युव्य रवे<br>उत्तम् अध्यम् म्यार<br>रेन्स्य अध्यम् म्यार   | r<br>ही साहित्य  |
|   | 25विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंकः 75<br>क्लास टेस्ट<br>असाइनमेंट/ प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन)<br>अनुभाग (अ): तीन अति लघु प्रश्न (प्रत्येक 50 शब्द)<br>अनुभाग (ब): चार लघु प्रश्न (प्रत्येक 200शब्द) |

4

# सैद्धांतिक प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम हेतु प्रारूप

|                    |   |  | भाग अ - प  | रिचय   |   |  |  |
|--------------------|---|--|--|--|---|--|--|
| कार्यक्र           | मः प्रमाण पत्र  | •  | कक्षा : बी.ए.  | वर्ष:: प्रथम वर्ष  | सत्र: 2021-22                                     |  |  |
|                    |   |  | विषय: हिंदी ः  |  |   |  |  |
| 1                  | पाठ्यक्रम का  | कोड  | A1-HLIT2T  |  |   |  |  |
| 2                  | पाठ्यक्रम का  | शीर्षक   |  | एवं भाषा कम्प्यू   | टिंग (प्रश्न पत्र 2)                              |  |  |
| 3                  | पाठ्यक्रम का प्रकार :(कोर<br>कोर्स/इलेक्टिव/जेनेरिक<br>इलेक्टिव/वोकेशनल/) |  | कोर कोर्स  |  |   |  |  |
| 4                  | पूर्वापेक्षा (Prerequisite)<br>(यदि कोई हो)                               |  |  | पन करने के लिए, वि<br>पत्र/डिप्लोमा किया   | प्रेद्यार्थी ने किसी भी विषय से<br>हो, पात्र हैं। |  |  |
| 5                  | पाठ्यक्रम अध्धयन की<br>परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग<br>आउटकम) (CLO)         |  | मूलभूत जानकार्र<br>कार्यालयीन कार्य<br>2' नई तकनीकी<br>विशेषज्ञता प्राप्त  | 1 इस कोर्स के माध्यम से विद्यार्थी कार्यालय के कार्यों की<br>मूलभूत जानकारी एवं कार्यशैली से परिचित हो सकेंगे। जिससे वे<br>कार्यालयीन कार्य करने में सक्षम होंगे।<br>2' नई तकनीकी के माध्यम से ज्ञान विज्ञान के-क्षेत्र में<br>विशेषज्ञता प्राप्त कर सकेंगे<br>3 भाषा कम्प्यूटिंग में दक्षता होगी तथा रोजगार प्राप्ति के |   |  |  |
| 6                  | क्रेडिट मान   |  | 06   | 412 <sup>3</sup>   |   |  |  |
| 7                  | कुल अंक   |  | अधिकतम अंक: 25   | +75 न्य  | नतम उत्तीर्ण अंक: 33                              |  |  |
|                    |   |  | भाग ब- पाठ्यक्रम   |  |   |  |  |
|                    |   | या- 90 (प्रति सप्ता  | ह घंटे में 02)   |  |   |  |  |
| इकाई               |   | विषय   | 6 4 6 8 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1  |  | व्याख्यान की संख्या                               |  |  |
| <pre>şan\$-1</pre> |   | 1.1 कार्यालयीन<br>1.2 कार्यालयीन<br>अंतर<br>1.3 कार्यालयीन<br>1.4 हिन्दी के<br>कार्यालयीन, सा<br>विधिक एवं क | न्दी कंा स्वरूप, उद्देश<br>त हिन्दी का स्वरूप<br>त हिन्दी तथा सामान<br>त कार्यकलाप की साव<br>प्रयोजनमूलक संदर्भः<br>हित्यिक, वाणिज्यिक<br>ति्ती, जनसंचार माध<br>ते की संवैधानिक सि | एवं उद्देश्य<br>य हिन्दी का संबंध<br>मान्य जानकारी<br>ज, वैज्ञानिक, तकनी<br>यम आदि।  |   |  |  |
| इकाई-              | -2  |  | संसाधन (कम्प्यूटर  | ं तंकण )   | 18  |  |  |
| 2 1/1 4            |   |  | , ससायन (प्रम्प्य्यूटर<br>उपलब्ध सॉफ्टवेयर ग   |  |   |  |  |
|                    |   |  |  | रव विमिन्न की-ब<br>, यूनीकोड, हिन्दी   | ט,  |  |  |

29-05-2021

29. 05.21 51 प्रव्या दुर्श अध्यहा, लेन्द्रीय अध्ययन मवाल ली०१० प्रचन बर्ध, हिन्दी स्तरित्य

|             | टेक्स्ट टू स्पीच, हिंदी शार्ट हैण्ड का परिचय।  |  |
|-------------|--|--|
|             | 1.2 हिन्दी से संबंधित वेबसाईट, ई मेल, इंटरनेट पर   |  |
|             | उपलब्ध पत्र-पत्रिकायें, दृश्य श्रव्य सामग्री, ई पुस्तकालय,   |  |
|             | सरकारी तथा गैर सरकारी चैनल, आभासी कक्षाएं  |  |
| इकाई-3      | कार्यालयीन हिन्दी में प्रयुक्त पारिभाषिक शब्दावली  | 16   |
|             | 1.1 शब्दावली निर्माण के सिद्धांत   |  |
|             | 1.2 कार्यालयीन हिंदी की पारिभाषिक शब्दावली प्रशासनिक,  |  |
|             | विधि संबंधी एवं वाणिज्यिक पारिभाषिक शब्दावली   | , ( <sup>11</sup> 14,  |
|             | 1.3 पदनाम एवं अनुभाग   | The state of the s |
| इकाई-4      | 1 कार्यालयीन हिन्दी पत्राचारः  | 20   |
|             | 1.1 आवेदन पत्र   | a a second a  |
|             | 1.2 शासकीय एवं अर्द्धशासकीय पत्र-  | ()<br>(  |
|             | 1.3 कार्यालयीन आदेश  |  |
|             | 1.4 परिपत्र  |  |
|             | 1.5 अधिसूचना   |  |
|             | 1.6 कार्यालयीन ज्ञापन  |  |
|             | 1.7 विज्ञापन   |  |
|             | 1.8 निविदा   |  |
|             | 1.9 संकल्प   |  |
|             | 1.10 प्रेस विज्ञप्ति एवं अन्य कार्यालयीन पत्र  |  |
|             | 2 प्रारूपण, टिप्पण, संक्षेपण, पल्लवन, प्रतिवेदन एवं हिंदी का   |  |
|             | the strength of the strength o |  |
|             | मानकीकरण   | 1  |
|             | 2.1 प्रारूपण का अर्थ, सामान्य परिचय, प्रारूपण लेखन की  | (  |
|             | पद्धति   |  |
|             | 2.2 टिप्पण का अर्थ, सामान्य परिचय, टिप्पण लेखन की  |  |
|             | पद्धति, टिप्पण और टिप्पणी में अंतर   |  |
|             | 2.3 संक्षेपण का अर्थ एवं संक्षेपण-पद्धति, पल्लवन का अर्थ,  |  |
| ANNI -      | पल्लवन के सिद्धांत, पल्लवन और निबंध लेखन में   |  |
|             | अंतर   |  |
|             | 2.4 प्रतिवेदन का अर्थ, सामान्य परिचय एवं प्रयोग  |  |
| इकाई-5      | 1 कम्प्यूटर एवं इंटरनेट में हिंदी भाषा एवं देवनागरी लिपि   | 20   |
|             | के अनुप्रयोग   |  |
|             | 1.1 कम्प्यूटर में हिन्दी भाषा के विकास का इतिहास   |  |
|             | 1.2 हिंदी का मानकीकृत रूप  |  |
|             | 1.3 ब्लॉगिंग एवं सोशल मीडिया पर हिन्दी लेखन कौशल   | 150 il   |
| 29-05-2021  | 2  | F. your for  |
| is is smill |  | रा पुरुषा दुन<br>हेन्द्रीय अध्ययन<br>वर्ष, हिन्ही स्पहित्य   |
|             | 31844, 0   | fort sitere  |
|             | ch or yay  | ald, 18-2) River   |
|             | 2012년 1월 201<br>1월 2012년 1월 2  |  |

|             | - फेसबुक, यूट्यूब एवं अन्य प्लेटफार्म   |                                       |
|-------------|---|---------------------------------------|
|             | 1.4 ई-गर्वनेंस  |                                       |
|             | 1.5 विराम चिह्न, अशुद्धि-संशोधन एवं प्रूफ-शोधन  |                                       |
|             | 1.6 व्यावहारिक अभ्यास - विभिन्न प्रकार के कार्यालयीन  |                                       |
|             | पत्र, ब्लॉगिंग, पोस्टर, ईमेल एवं अन्य-  |                                       |
|             | <b>वेंदु (की वर्ड)/टैग</b> : कार्यालयीन हिन्दी, शब्द संसाधन, कार्यालयीन पत्राचार, संक्षेपण, पल्लवन,         | देवनागरी लिपि के                      |
| अनुप्रय     | ोग, स्पीच टू टेक्स एवं टेक्स टू स्पीच, हिन्दी शार्टहेन्ड, प्रूफ-शोधन  |                                       |
|             | भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन   | 1141.                                 |
| ar toif     | पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन<br>सेत सहायक पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री: | 11111 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 |
|             | सत सहायक पुस्तक /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्रा.<br>ग्रन्थ-   |                                       |
| 1.          | सागर, रामचंद्र सिंह, ''कार्यालय कार्य-विधि'', आत्माराम एंड संस, नयी दिल्ली                                  | 1963                                  |
| 2.          | शर्मा, चंद्रपाल, "कार्यालयीन हिन्दी की प्रकृति", समता प्रकाशन, दिल्ली 1991                                  |                                       |
| 3.          | "प्रज्ञा पाठमाला", राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नयी दिल्ली                                      |                                       |
|             | गोदरे, डॉविनोद., ''प्रयोजनमूलक हिन्दी'', वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2009                                     |                                       |
| 4.<br>-     |   |                                       |
| 5.          | झाल्टे दंगल, ''प्रयोजनमूलक हिन्दीः सिद्वांत और प्रयोग'', वाणी प्रकाशन, नर<br>                               | ୟା  ାଦ୍ୱୁଜ୍ୟା, 2016,                  |
|             | पंचम संस्करण  |                                       |
| 6.          | सोनटक्के, डॉमाधव., ''प्रयोजनमूलक हिन्दीः प्रयुक्ति और अनुवाद'', वाणी प्र                                    |                                       |
| 7.          | भाटिया, कैलाशचन्द्र, "प्रयोजनमूलक हिन्दी : प्रक्रिया और स्वरूप" तक्षशिला                                    | प्रकाशन, नयी                          |
|             | दिल्ली 2005   |                                       |
| 8.          | जैन, डा.संजीव कुमार सं., ''प्रयोजनमूलक कामकाजी हिन्दी एवं कम्प्यूटिंग'<br>सदन, भोपाल                        | , कैलाश पुस्तक                        |
| 9.          | मल्होत्रा, विजयकुमार, "कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग", वाणी प्रकाशन, नयी                                     | दिल्ली                                |
| 10.         | गोयल, संतोष, "हिन्दी भाषा और कम्प्यूटर", श्री नटराज प्रकाशन, दिल्ली   |                                       |
| 11.         | हरिमोहन, "आधुनिक जनसंचार। और हिन्दी", तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली  | ì                                     |
| 12.         | हरिमोहन, "कम्प्यूटर और हिन्दी", तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली  |                                       |
| 12.         | द्विवेदी, संजय "नए समय का संवाद: सोशल नेटवर्किंग", नेहा, पब्लिशर्स एंड                                      | र हिस्टीत्राटर्म ज                    |
| лэ <b>.</b> | ाद्वपदा, सजय जर समय पग सपाद: साराल नटपापण , नहा, पाण्यरास २:<br>दिल्ली                                      |                                       |
| A.          |   | रे जन्मी                              |
| 14.         | शुक्ल, सौरभ, "नए जमाने की पत्रकारिता, विजडम विलेज" पब्लिकेशन्स, वि  | નહ્લા                                 |
| 15.         | कुमार, सुरेश, ''इन्टरनेट पत्रकारिता'', तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली   |                                       |
| 16.         | श्रीवास्तव, गोपीनाथ, "कम्प्यूटर का इतिहास और कार्यविधि", सामयिक प्रव  |                                       |
| 17.         | सिंह, अजय कुमार, ''इलेक्ट्राॅनिक पत्रकारिता, लोकभारती प्रकाशन इलाहबाव                                       | 2014                                  |
|             | रुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म वेब लिंक<br>  |                                       |
| 1100000     | . <u>www.wikipidiya.org</u><br>. www.egyankosh.ac.in  |                                       |
|             |   |                                       |
| 2           | . www.youtube.com   |                                       |

अहयम केन्द्रीय अहय्ये मण्डल बी०ए० जपम वर्ष, हिन्द्री साहित्य 5. Hi.m.wikipidiya.org

| 6.      | www.india.gov.in>topics    |  |
|---------|----------------------------|--|
| अनुशंसि | त समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम: |  |

| अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्य   | क्रम:  |   |
|--|--|---|
|  | भाग ्र - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:   | and the second  |
| अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां:<br>अधिकतम अंक: 100<br>सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : | ।<br>25विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 75  |   |
| आंतरिक मूल्यांकन:<br>सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):                                       | क्लास टेस्ट<br>असाइनमेंट/ प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन)   | 15<br>10<br>कुल अंक <b>:25</b> (                                  |
| आकलन :<br>विश्वविद्यालयीन परीक्षाः<br>समय- 02.00 घंटे                                  | अनुभाग (अ): तीन अति लघु प्रश्न (प्रत्येक 50 शब्द)<br>अनुभाग (ब): चार लघु प्रश्न (प्रत्येक 200शब्द)<br>अनुभाग (स): दो दीर्घ उत्तरीय  प्रश्न (प्रत्येक 500 शब्द) | 03 x 03 = 09<br>04 x 09 = 36<br>02 x 15 = 30<br>कुल अंक <b>75</b> |
| कोई टिप्पणी/सुझाव:   | B ant  |   |
|  | रो पुरुषा रुषे<br>रो पुरुषा रुषे<br>अन्त्रीय अध्ययन मण्डल<br>भी-१० ज्यम् गर्छ, हिन्ह   | ने साहित्य  |

#### भाग अ – परिचय वर्ष:: द्वितीय सत्र: 2022-23 कार्यक्रम: डिप्लोमा कक्षा : बी.ए. वर्ष विषय: हिंदी साहित्य A2-HLIT1T 1 पाठ्यक्रम का कोड⁄ हिन्दी गद्य (प्रश्न पत्र 1) 2 पाठ्यक्रम का शीर्षक पाठ्यक्रम का प्रकार :(कोर कोर कोर्स/मेजर 1 3 कोर्स/इलेक्टिव/जेनेरिक इलेक्टिव/वोकेशनल/.....) इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए, 'छात्र' है।' किसी भी पूर्वापेक्षा (Prerequisite) 4 विषय/संकाय में अध्ययन किया की आज है । (यदि कोई हो) 1. विद्यार्थी हिन्दी गर्य-साहित्य एवं प्रमुख रचनाओं से परिचित पाठ्यक्रम अध्धयन की 5 होंगे। परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग 2. विद्यार्थियों से सीहित्य अध्ययन से संवेदनशीलता एवं आउटकम) (CLO) मानबींच गुणां का विकास होगा । 31, साहित्य क्षेत्र में सर्जनात्मक लेखन एवं समीक्षा के प्रति प्रेरित होंगे। उन्हें रचनाओं के प्रकाशन एवं अध्यापन के क्षेत्र ्रित हाणा २०२० गिर्भुभेसें रोजगार प्राप्ति के अवसर प्राप्त होंगे। भ 11 06 Theory क्रेडिट मान 100 👘 👘 6 न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 33 अधिकतम अंक: 30+70 7 कुल अंक भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु ट्याख्यान की कुले संख्या(90) - : (L85+T05): व्याख्यान प्रति सप्ताह 2 घंटे ट्याख्यान की संख्या इकाई विषय आधुनिक हिन्दी गद्य साहित्य की पृष्ठभूमि एवं उदय के 16 इकाई-1 कारण -: 1. आधुनिक हिन्दी गद्य साहित्य की सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि 2. हिन्दी गद्य के उद्भव के कारण 3. हिन्दी उपन्यास का स्वरूप और विकास। प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं रचनाकार। 4. रामगढ़ की रानी – व्याख्या एवं समीक्षा अध्यम, केन्द्रीय अध्ययन ते.ह. दिनीय वर्ष, हिन्ही साहित

### सैद्धांतिक प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम हेतु प्रारूप

| <u>_</u> |  | 18  |
|----------|--|---|
| इकाई-2   | हिन्दी कहानी : स्वरूप और विकास                       |   |
|          | 1. स्वरूप और विकास                                   |   |
|          | 2. प्रमुख हिन्दी कहानियाँ व्याख्या और समीक्षा        |   |
|          |  |   |
|          | 3. कहानियाँ –  |   |
|          | ' उसने कहा था' - चन्द्रधर शर्मा गुलेरी               |   |
|          | पंच परमेश्वर - प्रेमचंद                              |   |
|          | पुरस्कार– जयशंकर प्रसाद                              |   |
|          | -<br>वापसी – उषा प्रियंवदा                           |   |
|          |  |   |
| इकाई-3   | हिन्दी नाट्य साहित्य : स्वरूप और विकास               | 1,16'   |
|          | 1. हिन्दी नाटक : स्वरूप और विकास 👘 🖓 🖓 🖓             | 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1             |
|          | 2. हिन्दी एकांकी : स्वरूप और विकास 🛒 🛛 👘             |   |
|          | 3. नाटक : लहरों के राजहंस – मोहन राकेश (ट्यांख्या    |   |
|          | एवं समीक्षा)   |   |
|          | 4. एकांकी - (व्याख्या एवं समीक्षा)                   |   |
|          | i. दीपदान – डॉ. रामुकुमार वर्मा                      |   |
|          | ii. दूटते हुएं न्यूसुरेश चन्द्र शुक्ल (चन्द्र)       |   |
|          |  |   |
| इकाई-4   | हिन्दी निबंध : स्वरूप और विकास                       | 20  |
| <b>T</b> | 1. हिन्दी किंबंध : स्वरूप                            |   |
|          | 2 हिन्दी निबंध का उद्भव एवं विकास, प्रमुख निबंधकारों |   |
|          | ्रमा प्रतियाँ<br>त्या प्रतियाँ<br>प्रतियाँ प्रतियाँ  |   |
|          | ्याख्या एवं समीक्षा)                                 |   |
|          |  |   |
|          | i. मित्रता – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल                  |   |
|          | ii. अशोक के फूल – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी       |   |
|          | iii. मेरे राम का मुकुट भीग रहा है- आचार्य            |   |
|          | विद्यानिवास मिश्र                                    |   |
|          |  |   |
|          |  | 20  |
| इकाई-5   | हिन्दी की अन्य गद्य विधाएँ : स्वरूप और विकास         | 20  |
|          | ואָרעו אז טוי א איע ועשול . לשני טווי טויי איי       |   |
|          | 1. संस्मरण :   |   |
| 1        | सुभद्राकुमारी चौहान-महादेवी वर्मा (पथ के             |   |
|          | साथी संग्रह से)                                      | 3-2-  |
|          |  | J 2:20'   |
|          |  | your 3d<br>- Ata 31822207 Fre<br>18, AE-Ef 201604 |
|          | ل<br>اید   | your zd   |
|          | 31245, रे.   | न्मि अध्ययन मार                                   |
|          | A.F. F.  | the feed surface                                  |

, <del>3</del>

7

|                                     | 2. यात्रा वृत्तांत – सौन्दर्य की नदी नर्मदा (अंश-                          |
|-------------------------------------|--|
|                                     | ओंकारेश्वर से खलघाट) -अमृतलाल वेगड़ मध्य                                   |
|                                     | प्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी भोपाल   |
|                                     | 3. ट्यंग्य – भोलाराम का जीव – हरिशंकर परसाई                                |
|                                     | 4. जीवनी – उत्तर योगी श्री अरविन्द (अंश – मनुष्य                           |
|                                     | प्रकृति की सर्वोच्च प्रयोगशाला ) शिवप्रसाद सिंह                            |
|                                     | लो क भारती प्रकाशन, इलाहाबाद   |
|                                     | 5. आत्मकथा – क्या भूलूँ क्या याद करूँ – (अंश-                              |
|                                     | श्यामा प्रसंग   पु:169 से 174 तक) हरिवंशराय बच्चन 🍦 🏢 🗥 👘                  |
|                                     | प्रकाशन – राजपाल एण्ड संस, कश्मीरी गेट, दिल्ली 🔡 👫                         |
|                                     | 6. डायरी – कठिन समय में – रमेशचन्द्र शाह (अंश <sub>त</sub> दिः) हि         |
|                                     | 25.04.2010) किताबघर, नई दिल्ली 🦳 👘 🖓 👘                                     |
|                                     | * ट्यूटोरियल :   |
|                                     | • गद्य रचनाओं का वाचन एवं रचनीत्मक लेखन                                    |
|                                     | <ul> <li>निबंध, कहानी एवं अन्यू, गौध, विधाओं का</li> </ul>                 |
|                                     | नाट्यरूपान्तर एवं, मुंचन् 🖺 मंच-सज्जा ,                                    |
|                                     | पात्र वेशभूषा । 🖑 👘  |
|                                     |  |
| सार बिंदु (की वर्ड)/वै              | टेग: गद्य साहित्य की विश्वार् , अवधारणा , पृष्ठभूमि , समीक्षा , व्याख्या   |
|                                     | भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन  |
|                                     | भीठ्यूं जुस्तके, संदर्भ पुस्तके, अन्य संसाधन                               |
| • अनुशंसित                          | सहायक, पुर्स्तके /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री:                  |
| -                                   |  |
| पाठ्य पुस्तकं –                     |  |
| <ol> <li>1. तिवारी राम्</li> </ol>  | विंद्र, हिन्दी निबंध और निबंधकार, विश्वविद्यालय प्रकाशन , वाराणासी, 2007   |
| 2. सिंहबिच्चन                       | न, आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास, लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज, 2019     |
| 3. ( <sup>(())</sup> भूर्युक्त, राम | नं जा नुगम रहे ये सारित्य का इतिहास, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणासी, 1992 |
| 4. े, तिवारी, रा                    | मचंद्र, हिन्दी गद्य का इतिहास, लोक भारती प्रकाशन , प्रयागराज 2019          |
| <ol> <li>सिंह, नाम</li> </ol>       | वर, आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियां, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली 2018        |
| 6. चतुर्वेदी, र                     | ामस्वरूप, हिन्दीगद्य: विन्यास और विकास, लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज 2018  |
|                                     | वनलाल "रामगढ़ की रानी प्रभात प्रकाशन आसिफ अली रोड नई दिल्ली                |
|                                     | जे, श्रीराम मेहरा एंड कंपनी, आगरा  |
| 9. वर्मा, डॉ रा                     | मिकुमार, आठ एकांकी नाटक, स्रोत पुस्तकालय ई -                               |
| 10. हरिशचंद्र ध                     | भारतेंदु, अंधेर नगरी, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली                             |
| 11. प्रसाद जय                       | शिंकर, ध्रुवस्वामिनी, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली                             |
| ાા. પ્રસાદ ઝય                       | ाशंकर, ध्रुवस्वामिनी, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली<br>इ                        |

•\*\*\*\* , \*

` ŧ

× •

गुप्ता सोमनाथ, हिन्दी नाटक साहित्य का इतिहास, इंद्रा चन्द्र नारंग, इलाहाबाद, तीसरा संस्करण 12. 1951 ओझा, डॉ दशरथ हिन्दी नाटक :उद्भव एवं विकास, राजपाल एंड संस, दिल्ली 13. रस्तोगी, गिरीश, हिन्दी नाटक का आत्मसंघर्स, लोकभारती, इलाहाबाद 14. त्रिपाठी सत्यवती, आधुनिक हिन्दी नाटकों में प्रयोगधर्मिता, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली 15. किशोर ब्रजराज, हिन्दी नाटक और रंगमंच जनप्रिय प्रकाशन 16. रस्तोगी गिरीश, समकालीन हिन्दी नाटककार, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली 17. कुमार, सिद्धनाथ, हिन्दी एकांकी की शिल्प विधि का विकास, साहित्य भवन लिमिटेड, इलाहाबाद 18. din h महेन्द्र डॉएकांकीकार और एकांकी रामचरण ., वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली 19. महेन्द्र डॉ. रामचरण हिन्दी एकांकी उद्भव और विकास, साहित्य प्रकाशन दिलुली 20. बिसारिया, डॉपुनीत ., निबंध निकष, शब्द सेतु प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2009 21. बिसारिया, डॉपुनीत ., निबंध संग्रह, श्री नटराज प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2007, 22. मिश्र कृष्णगोपाल "हिन्दी साहित्य और समीक्षा" प्रकाशन के के प्राहिलकुंशन नई दिल्ली 23. 2. अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म वेब लिंक 1. www.wikipidiya.org 2. www.egyankosh.ac.in 3. www.youtube.com 4. https://epgp.inflibnet,ac.in hindiwi.org 5. https://swayam.gov.in/ अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठुंसूक्रमें कई भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां: अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां: अधिकतम अंक: १००, भूषे, सतत व्यापक मूल्यींकेंन (CCE) अंक : 30 विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 70 15 क्लास टेस्ट आंतरिक मूल्यांकुनः 15 असाइनमेंट/ प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन) सतत व्याप्रके सूल्यांकन (CCE) कुल अंक :30 (CCE) अनुभाग (अ): े वर्मत्र निष्द आकेलन : विश्वविद्यालयीन परीक्षाः समय- 02.00 घंटे अन्भाग (ब): 🐪 लघु प्रश्न ( कुल अंक 70 ) अनुभाग (स): ेदीर्घ उत्तरीय प्रश्न 🗧 - CDU शब्द) कोई टिप्पणी/सुझाव: उ-12-25, ट्रा-द्रीय वी.ह. द्रिनेय वार्च,

## सैद्धांतिक प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम हेतु प्रारूप

Ð

g

|                        |                     |                                       | भाग अ — 1   | परिचय                                  |   |  |
|------------------------|---------------------|---------------------------------------|---|--|---|--|
| कार्यक्रम: डिप्लोमा    |                     | कक्षा : बी.ए.                         | वर्ष:: द्वितीय<br>वर्ष  | सत्र: 2022-23                          |   |  |
|                        | •                   | · · · · · · · · · · · · · · · · · · · | विषय: हिंदी   | साहित्य                                |   |  |
| 1                      | पाठ्यक्रम व         | न कोड                                 | A2-HLIT2T   |  |   |  |
| 2                      | पाठ्यक्रम व         | न शीर्षक                              | <u>अनुवाद विज्ञान</u>   | (प्रश्न पत्र 2)                        | . 53.   |  |
| 3                      | पाठ्यक्रम व         | न प्रकार :(कोर                        | कोर कोर्स / मेर   | जर २ / माइनर                           | /वैकल्पिक                                       |  |
|                        | कोर्स/इलेक्ति       | टव/जेनेरिक                            |   |  |   |  |
|                        | इलेक्टिव/वो         | केशनल/)                               |   |  |   |  |
| 4                      |                     | rerequisite)                          |   | ययन करने के लिग                        | 28. "East"                                      |  |
|                        | (यदि कोई ह          |                                       |   | ग हो , पात्र है ।                      | 1 .35   |  |
| 5                      | पाठ्यक्रम ३         |                                       | 1.विद्यार्थियों में 3<br>   | अनुवाद कौशूल का                        | विकास होगा।                                     |  |
|                        |                     | i (कोर्स लर्निंग                      | <br>2.भारतीय एवं वि   | वेश्व भाषां साहित्य                    | के अनुवाद क्षेत्र में रोजगार के                 |  |
|                        | आउटकम) (            | (CLO)                                 | अवसर प्राप्त होंगे।   |  |   |  |
|                        |                     |                                       |   |  |   |  |
|                        |                     |                                       | 3 वैश्विक प्रतिरूप  | भित्मक वातावरण                         | । के साथ सामंजस्य बनाने में                     |  |
|                        |                     |                                       | ि भेरत थे.<br>संक्षेत्र होंगे।  |  |   |  |
|                        |                     | ŧ,                                    |   |  |   |  |
|                        |                     |                                       | 1<br>1<br>1<br>1<br>1<br>1<br>1<br>1<br>1<br>1<br>1<br>1<br>1<br>1<br>1<br>1<br>1<br>1<br>1 |  |   |  |
|                        |                     |                                       |   |  | ······································          |  |
| 6                      | क्रेडिट मान         |                                       | 06  | ······································ |   |  |
| 7                      | कुल अंक १०          | • • • •                               | अधिकतम अंक:   |  | न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 33                        |  |
|                        |                     |                                       | भाग ब-पाठ्यक्रम   |  |   |  |
| त्यार <u>ू</u><br>संस् |                     | संख्या(90) -ट्यूटो                    | रेयल- L85-T05   | : व्याख्यान प्रति स                    |   |  |
| हुक <u>ा</u> ई         |                     | विषय                                  |   |  | व्याख्यान की संख्या                             |  |
| ङ्काई                  | -']v <sup>#</sup> ' | अनुवाद                                | की अवधारणा एव   | कित्र:                                 | 16  |  |
| 1. <del>3</del>        |                     | अनुवाद: परिभाषा, स्वरूप एवं महत्व     |   |  |   |  |
|                        |                     | ानुवाद के प्रकार -                    | ग्रकार - शब्दानुवाद, भावानुवाद,   |  |   |  |
|                        |                     | नाशु अनुवाद एवं द्विभाषी प्रविधि      |   |  |   |  |
| 3. э                   |                     |                                       | ानुवादक के गुण  |  |   |  |
|                        |                     |                                       |   |  | 15.02.2022                                      |  |
|                        |                     |                                       |   | उत्तरम् होन                            | 15.02.2022<br>पुरुषा दुवे<br>क्रेय अध्ययन मण्डल |  |
|                        |                     |                                       |   | anois Ratta                            | 'वर्ब, हिन्ही स्पहित्य                          |  |

|                                 | 4. अच्छे अनुवाद की विशेषताएँ   |
|---------------------------------|--|
|                                 | 5. अनुवाद के क्षेत्र   |
|                                 | 6. रोजगार की संभावनाएँ   |
| इकाई-2                          | अनुवाद की प्रक्रिया 18   |
|                                 | 1. स्रोत भाषा और लक्ष्य भाषा के अर्थान्तरण की  |
|                                 | प्रक्रिया,अनुदित पाठ का पुनर्गठन और अर्थ   |
|                                 | सम्प्रेषण की प्रक्रिया।  |
|                                 | 2. अनुवाद एवं समतुल्यता का सिद्धांत  |
| इकाई-3                          | अनुवाद के उपकरण एवं अनुवाद का सामाज़िक-सांस्कृतिक 16   |
|                                 | सन्दर्भः भ   |
|                                 | 1. शब्दकोश के कि   |
|                                 | 2. थिसॉरस, <b>फ्रिंग</b> , के  |
|                                 | 3. पारिभाषिक कोश   |
|                                 | ्रियः भूम<br>4: (विश्वकोश कंप्यूटर, इंटरनेट,   |
|                                 | ्रुव्यूव्यूव्यूव्यूव्यूव्यूव्यूव्यूव्यूव्यू  |
| इकाई-4                          | ्विभिन्न् क्षेत्रों में अनुवाद की समस्याएँ एवं समाधान: 20  |
| ، د<br>پون <sup>و</sup> و از کې | , <sup>19</sup> , 1. कार्यालयीन अनुवाद   |
|                                 | 2. वाणिज्य अनुवाद  |
|                                 | 3. वैज्ञानिक एवं तकनीकी अनुवाद   |
|                                 | 4. साहित्यिक अनुवाद एवं तकनीकी अनुवाद  |
|                                 | में अंतर   |
|                                 | 5. जन संचार माध्यम एवं विज्ञापन का अनुवाद।   |
|                                 |  |
|                                 |  |
|                                 | J  |
|                                 | 5.02.2022<br>-51 पुछत्वा दुव<br>अध्यम, केन्द्रीय अध्ययन मर्चन<br>की करू दिनीय नही दिन्दी साहित्य |
|                                 | उत्त्यम् अध्यमन मर्वत<br>की १० दितीय वर्ष, हिन्ही स्पहित्य                                       |
|                                 | क्राक्तम वहा, हिन्हा स्पहित्य  |

| इकाई-5      | A अनुवाद का सम्पादन, मूल्यांकन और समीक्षा:  | 20  |
|-------------|---|---|
|             |   |   |
|             | 1. सम्पादन  |   |
|             | 2. मूल्यांकन और समीक्षा   |   |
|             |   |   |
|             |   |   |
|             | B ट्यूटोरियल :  | ۲<br>۲<br>۲<br>۲<br>۲<br>۲<br>۲<br>۲<br>۲<br>۲<br>۲<br>۲<br>۲<br>۲<br>۲<br>۲<br>۲<br>۲<br>۲ |
|             | हिन्दी से अंग्रेजी, अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवादी  | 11/2 ***********************************  |
|             | गद्यानुवाद – किसी अनुच्छेद का अनुवाद  |   |
|             | कार्यालयीन वाक्यों एवं पारिभाषिक शब्दावृत्ती की आंनुवीद   |   |
|             |   |   |
|             | र बिंदु (की वर्ड)/टैग: अनुवाद विज्ञान, स्रोत भौषी, लेक्ष्य भाषा, अर्थान                                       | तरण, समतुल्यता,   |
| <u>।</u> थः | सॉरस, पुनरीक्षण आदि <u>, ाध्ययन</u> संसाधन<br>भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन                                   |   |
|             |   | <u>1. (79.) (79.) (79.) (79.) (88.) (88.) (88.) (79.)</u>                                   |
| • अनुशंगि   | सेत सहायक पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री:   |   |
| संदर्भ ग    | प्रत्थः <sup>(**</sup> *, <sup>**</sup> ***   |   |
|             | िति के स्थान के सुवाद सिद्धान्त और प्रयोग" लोकभारती<br>a. होंभिनीथन, जी,"अनुवाद सिद्धान्त और प्रयोग" लोकभारती | गत्नां व्यादाबाट  |
|             |   |   |
| · · · ·     | b. भूगोंपीनाथन,जी, कंदस्वामी,एस "अनुवाद की समस्याएँ" लोग<br>दिने  | कभारती प्रकाशन  |
|             | ्रिः इलाहाबाद<br>स  |   |
|             | <sup>14,</sup> c. तिवारी,भोलानाथ,"भाषा विज्ञान कोश" ज्ञानमंडल लिमिटेड   | वाराणसी 1964  |
| .*JÍ},      | d. समीर, डॉ नारायण "अनुवाद की प्रक्रिया : तकनीक और सम   | स्या" लोकभारती  |
|             | प्रकाशन नई दिल्ली   |   |
|             | e. विनय चंद्रन,डॉ एम.एस."अनुवाद" लोकभारती प्रकाशन इल  | हिबाद   |
|             | f. समीर, डॉ नारायण "अनुवाद और उत्तर-आधुनिक अवधारण   | ाएँ " लोकभारती प्रकाशन  |
|             | नई दिल्ली   |   |
|             |   | 3022  |
|             |   | 5.02°5  |
|             | \$1,70  | <sup>۳</sup> کې ۲   |
|             | 348Lett and   | हीम अटम्प्न मन्<br>त वर्ष, हिन्ही स्व   |

Ş

٤

.

|   | डॉ कैलाश चन्द्र "अनुवाद कला: सिद्धान्त और प्रयोग'<br>ई दिल्ली  | " तक्षाशला प्रकाशन   |
|---|--|--|
| h. डॉ नगेंद्र<br>विश्वविद्य   | "अनुवाद विज्ञान" हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेश<br>ालय  | ालय दिल्ली   |
| 2. अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म<br>1. <u>www.wikipidiya.org</u>               | र्ग वेब लिंक   |  |
| 2. www.egyankosh.ac.i   | n  | 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2  |
| 3. <u>www.youtube.com</u>   |  |  |
| 4. <u>https://epgp.inflibnet,</u><br>5. hindiwi.org<br>6. https://swayam.go | 144<br>15. (1997)<br>19. (1997)  |  |
| अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन प  |  |  |
|   | भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:  |  |
| अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधि<br>अधिकतम अंक: 100                              | $\frac{1}{2} \sum_{k=1}^{n} \frac{1}{2} \sum_{k=1}^{n} \frac{1}$ |  |
|   | अंक : 30 विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 70  |  |
| आंतरिक मूल्यांकन:   | विलास दिस्ट भी कि कि कि  | 15<br>  15   |
| सतत व्यापक मूल्यांकन<br>(CCE):  | असाइनमेंटं/,प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन)   | कुल अंक :30  |
| आकलन :  | 'अनुभाग (अ):   |  |
| विश्वविद्यालयीन परीक्षा: 🚬 🛟  |  |  |
| समय- 02.00 घंटे   | अनुभाग (ब): लघु प्रश्न   | कुल अंक 70   |
| 4 13 18 18 18 18 18 18 18 18 18 18 18 18 18                                 | अनुभाग (स): 🗧 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 🐄 🌾 👘   |  |
|   | शब्द)  |  |
| कोई टिप्पणी/सुझाव:  |  | -63  |
|   |  | 15.02.202  |
|   |  | Totel Zal  |
|   | अध्यम, केन्द्र   | 5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.0 |
|   | नी हे दितीय  | ार्च, हिन्ही शार्म   |
|   |  |  |

ديد المحتيم ال

¢

<u>.</u> .

•

|                     |   | भाग अ —  | परिचय                   |                    |  |  |
|---------------------|---|--|-------------------------|--------------------|--|--|
| कार्यक्रम: डिप्लोमा |   | कक्षा : बी.ए.  | वर्ष:: द्वितीय          | सत्र: 2            | 2022-23                                |  |
|                     |   | •  | वर्ष                    |                    |  |  |
|                     |   | विषय: हिंदी  | साहित्य                 |                    |  |  |
| 1                   | पाठ्यक्रम का कोड  | A2-HLIT2T  |                         |                    |  |  |
| 2                   | पाठ्यक्रम का शीर्षक   | <u>अनुवाद विज्ञान</u>  | (प्रश्न पत्र <b>2</b> ) |                    | . 5 3 4                                |  |
| 3                   | पाठ्यक्रम का प्रकार :(कोर   | कोर कोर्स / मेर  | जर २ / माइनर            | /वैकल्पि           | क गाँधि भ                              |  |
|                     | कोर्स/इलेक्टिव/जेनेरिक  |  |                         |                    |  |  |
|                     | इलेक्टिव/वोकेशनल/)  |  |                         | 111                | ************************************** |  |
| 4                   | पूर्वापेक्षा (Prerequisite)   | इस कोर्स का अध   | ययन करने के लि          | र छात्न ने         | र्गंकेसी भी विषय/संकाय                 |  |
|                     | (यदि कोई हो)  |  | ॥ हो, पात्र,है।         |                    | ۰                                      |  |
| 5                   | पाठ्यक्रम अध्धयन की   | 1.विद्यार्थियों में उ  | अनुवाद कौशूल के         | ाविकास ह           | ोगा।                                   |  |
|                     | परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग  | <br>  २ भारतीय पतं दि  | ्।<br>स्वायंग्रेचारिन्य | । के भ <u>न</u> ना | न क्षेत्र में ग्रेन्ग्राग्र के         |  |
|                     | आउटकम) (CLO)  | 2.भारतीय एवं विश्व भाषांग्साहित्य के अनुवाद क्षेत्र में रोजगार के  |                         |                    |  |  |
|                     |   | अवसर प्राप्त होंगे   |                         |                    |  |  |
|                     |   | 3 वैश्विकाप्रतिरंपर्धात्मक वातावरण के साथ सामंजस्य बनाने में   |                         |                    |  |  |
|                     |   |  |                         |                    |  |  |
|                     |   | संक्षम् होंगे।   |                         |                    |  |  |
|                     | ( <b>1</b> <sup>4</sup> )   |  |                         |                    |  |  |
|                     | الله (1998)<br>1993 - 1994 - 1994 - 1994 - 1994 - 1994 - 1994 - 1994 - 1994 - 1994 - 1994 - 1994 - 1994 - 1994 - 1994 - 1994 -<br>1994 - 1994 - 1994 - 1994 - 1994 - 1994 - 1994 - 1994 - 1994 - 1994 - 1994 - 1994 - 1994 - 1994 - 1994 - 1994 - | алана<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>артика<br>а<br>артика<br>артика<br>артика<br>а<br>а<br>а<br>а<br>а<br>а<br>а<br>а<br>а<br>а<br>а<br>а<br>а<br>а<br>а<br>а<br>а<br>а |                         |                    |  |  |
| 6                   | क्रेडिट मान   | 06   |                         |                    |  |  |
| 7                   | कूल अंक 100   | अधिकतम अंक:  | 30+70                   | न्यनतम             | उत्तीर्ण अंक: 33                       |  |
|                     | 5   | भाग ब-पाठ्यक्रम  |                         | <u> </u>           |  |  |
| त्र्याप्रत          | याना की कुल संख्या(90) -ट्यूटो  |  |                         | मप्राट २ हो        | <u>≻</u>                               |  |
|                     | भाषा भाषा (30) - ए पूरा<br>भाषा किषय  |  |                         |                    | -<br>व्याख्यान की संख्या               |  |
| ङ्काई               |   | की अवधारणा एव  | ਂ ਸ਼ੇਤ-                 |                    | वाख्यान पग संख्या<br>16                |  |
| 2412                | ାଡ ାଣ୍ଡ୍ୟାଦ   |  |                         |                    |  |  |
|                     | 1. अनुवादः परिभाषा, स्वरूप एवं महत्व  |  |                         |                    |  |  |
|                     | 2. अनुवाद के प्रकार - शब्दानुवाद, भावानुवाद,  |  |                         |                    |  |  |
|                     | ב. סויגיעות אי אאזע - אויעויקעות, פוועופגעות,   |  |                         |                    |  |  |
|                     | 3   | भाशु अनुवाद एवं हि   | भाषी प्रविधि            |                    |  |  |
|                     | 3 3   | भनुवादक के गुण   |                         |                    |  |  |
|                     |   |  |                         |                    |  |  |
|                     |   |  | 4                       | 2-02               | 2.2022                                 |  |

## सैद्धांतिक प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम हेतु प्रारूप

Ð

s.

- 15.02.2022 डा पुरुषा दुर्ब उत्तरपद्म, केन्द्रीय आध्ययन मण्डल .वी-ए० द्वितिम् पाव, हिन्दी स्ताहित्य

. <u>2</u>. .

|                    | 4. अच्छे अनुवाद की विशेषताएँ   |                           |
|--------------------|--|---------------------------|
|                    | 5. अनुवाद के क्षेत्र   |                           |
|                    | 6. रोजगार की संभावनाएँ   |                           |
| इकाई-2             | अनुवाद की प्रक्रिया  | 18                        |
|                    | 1. स्रोत भाषा और लक्ष्य भाषा के अर्थान्तरण की  |                           |
|                    | प्रक्रिया,अनुदित पाठ का पुनर्गठन और अर्थ   | . 2                       |
|                    | सम्प्रेषण की प्रक्रिया।  |                           |
| ·                  | 2. अनुवाद एवं समतुल्यता का सिद्धांत  |                           |
| इकाई-3             | अनुवाद के उपकरण एवं अनुवाद का सामाज़िक सांस्कृतिक  | 16                        |
|                    | सन्दर्भ:   |                           |
|                    | 1. शब्दकोश   |                           |
|                    | 2. थिसॉरस, भूमें भूमे<br>भूमें भूमें भूम |                           |
|                    | 3. पारिभाषिक कोश   |                           |
|                    | 4. विश्वकोश कंप्यूटर, इंटरनेट,   |                           |
|                    | ्रिः, समाज, संस्कृति एवं अनुवाद के अन्तः संबंध   |                           |
| इकाई-4             | , विभिन्न क्षेत्रां में अनुवाद की समस्याएँ एवं समाधान:   | 20                        |
| ( <sup>183</sup> ) | <sup>1946</sup> 1. कार्यालयीन अनुवाद   |                           |
|                    | ी. वाणिज्य अनुवाद  |                           |
|                    | 3. वैज्ञानिक एवं तकनीकी अनुवाद   |                           |
|                    | 4. साहित्यिक अनुवाद एवं तकनीकी अनुवाद  |                           |
|                    | में अंतर   |                           |
|                    | 5. जन संचार माध्यम एवं विज्ञापन का अनुवाद।   |                           |
|                    |  |                           |
|                    |  | G                         |
|                    |  | 15.02.2022                |
|                    | रा<br>अध्यम, केन्द्रीय   | पुछचा दुव<br>अध्यमन मर्चल |
|                    | की २ हर दितीय व  | र्ड, हिन्ही स्पहिल्य      |
|                    |  | ,                         |

3

| C                | A अनुवाद का संस्पादन सन्सांकन और संसीक्षा <sup>.</sup> 20   |
|------------------|---|
| इकाई-5           | A अनुवाद का सम्पादन, मूल्यांकन और समीक्षा: 20   |
| •                |   |
|                  | 1. सम्पादन  |
|                  | ० मन्त्रमंग्रन और मनीव्य  |
|                  | 2. मूल्यांकन और समीक्षा   |
|                  |   |
|                  |   |
|                  | B ट्यूटोरियल :  |
|                  | हिन्दी से अंग्रेजी, अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद है।   |
|                  | गद्यानुवाद – किसी अनुच्छेद का अनुवाद  |
|                  | कार्यालयीन वाक्यों एवं पारिभाषिक शब्दावृती की आंनुवाद   |
|                  | <sup>4</sup> ئەربىي ئەتتىر ئەت<br>ئەتتىر ئەتتىر |
| 1                | बिंदू (की वर्ड)/टैग: अनुवाद विज्ञान, स्नोतु,भौषा, लेक्ष्य भाषा, अर्थान्तरण, समतुल्यता,  |
|                  | विदु (यो पड)/टन. अनुपाद पिशाल, स्नात काला, क्रय माया, अपान्तरण, समतुर्थता,<br>रस, पुनरीक्षण आदि   |
| 177XII           | भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन   |
|                  | पाठ्य पुस्तुके, संदूभ पुस्तके, अन्य संसाधन  |
| • अन्शंसित       | त सहायक पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री:   |
|                  |   |
| संदर्भ ग्रन      | $\mathfrak{A}$ : $(1)_{1}^{(2)}(1)_{1}^{(1)}(1)_{1}$  |
|                  | a. ग्रौंपीन्नाथनं, जी,"अनुवाद सिद्धान्त और प्रयोग" लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद  |
|                  |   |
| \$ <b>\$</b> \$; | b. 'फोंपीनाथन,जी, कंदस्वामी,एस "अनुवाद की समस्याएँ" लोकभारती प्रकाशन  |
|                  | () इलाहाबाद   |
|                  |   |
|                  | <ul> <li>c. तिवारी,भोलानाथ,"भाषा विज्ञान कोश" ज्ञानमंडल लिमिटेड वाराणसी 1964</li> </ul>   |
|                  | d. समीर, डॉ नारायण "अनुवाद की प्रक्रिया : तकनीक और समस्या" लोकभारती   |
|                  | प्रकाशन नई दिल्ली   |
|                  |   |
|                  | e. विनय चंद्रन,डॉ एम.एस."अनुवाद" लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद  |
|                  | f. समीर, डॉ नारायण "अनुवाद और उत्तर-आधुनिक अवधारणाएँ " लोकभारती प्रकाशन   |
|                  | नई दिल्ली   |
|                  |   |
|                  | 15.02.202   |
|                  | डो पुछवा दुवे   |
|                  | उत्तर्भ, जेन्द्रीय अटम्यन मच्छ<br>वी-ए- दितीय वर्ष, हिन्दी स्तरि  |
|                  | व्या-एन क्रियम पर्व, हिन्ही स्तरि   |
| •                |   |

- - - · · · · · ·

J

·

.

| 1998 व   | नई दिल्ली  |   |
|--|--|---|
| ь <del>ай ті</del>   |  |   |
|  | ५"अनुवाद विज्ञान" हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशा<br>   | ଖସ ।ଦୁଡ଼ିଖା   |
| े विश्वविष   | ધાલય   |   |
| 2. अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉ   | र्म वेब लिंक   |   |
| 1. www.wikipidiya.org  |  |   |
| 2. www.egyankosh.ac.   | in   |   |
| 3. <u>www.youtube.com</u>  | . ۋ.<br>1 <sub>5</sub> ي ج   |   |
| -  | روب<br>بر بر بر<br>بر از   | ۲۹۹۲ کې د د د د د د د د د د د د د د د د د د   |
| <ol> <li><u>https://epgp.inflibnet</u></li> <li>hindiwi.org</li> </ol> | <u>t,ac.in</u>   | 3   |
| 6. https://swayam.go   |  |   |
| अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन   |  |   |
|  | भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:  |   |
| अनुशंसित सतत मूल्यांकन विणि  | धेयां:   |   |
| अधिकतम अंक: 100  | ar the state of th |   |
| सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE  | ) अंक : 30 विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 70  |   |
| आंतरिक मूल्यांकन:  | area a state and a state a   | 15<br>15  |
| सतत व्यापक मूल्यांकन   | असाइनर्झेट्/,प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन)  | ाउ<br>कुल अंक :30   |
| (CCE):   |  |   |
| आकलन :<br>विश्वविद्यालयीन परीक्षा:                                     | ('अनुभाग (अ): वर्रे के निष्ठ   |   |
| านานเนยเตยเต นุยตา   |  | ,   |
| AVIA CON   |  | कुल अंक 70  |
| समय- 02.00 घंटे  | अनुभाग (ब): निघु प्रश्न<br>अनभाग (म): नीई उत्तरीय एक के बिन्द्र के   |   |
| AV14 CON   | अनुभाग (स): ्दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 👘 🏹  |   |
| समय- 02.00 घंटे  |  |   |
| समय- 02.00 घंटे  | अनुभाग (स): दीर्घ उत्तरीय प्रश्न<br>शब्द)  |   |
| समय- 02.00 घंटे  | अनुभाग (स): दीर्घ उत्तरीय प्रश्न<br>शब्द)  | 5.02.2022   |
| समय- 02.00 घंटे  | अनुभाग (स): दीर्घ उत्तरीय प्रश्न<br>शब्द)  | 5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022   |
| समय- 02.00 घंटे  | अनुभाग (स): दीर्घ उत्तरीय प्रश्न<br>शब्द)  | 5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.2020 |
| समय- 02.00 घंटे  | अनुभाग (स): ्दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 👘 🏹  | 5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.2022<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202<br>5.02.202 |

1

¢.

.

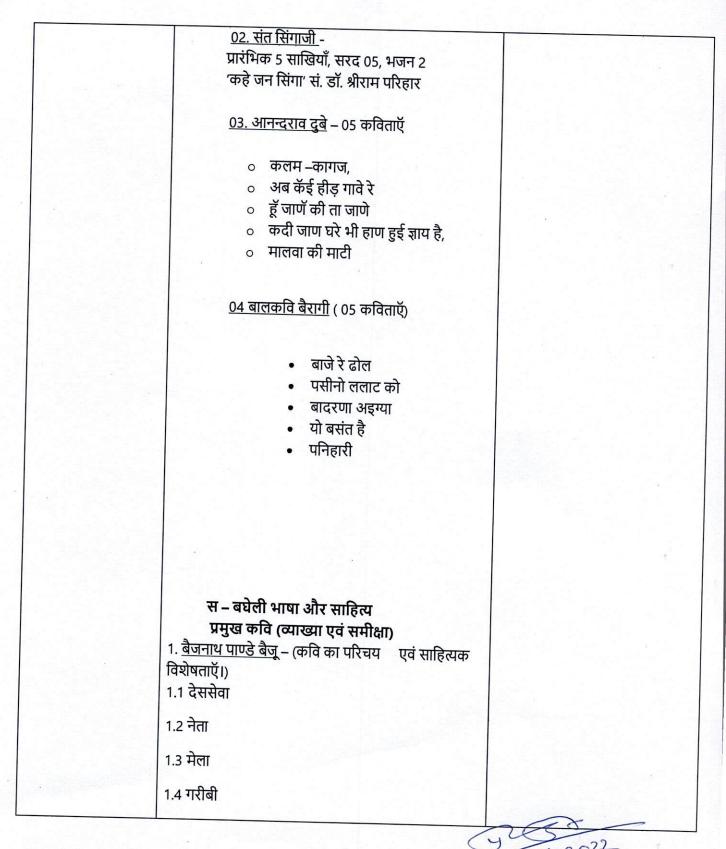
|  | प्रश्नपत्र (सैद्धांतिक)  |  |   |  |
|--|--|--|---|--|
|  | भाग अ – परिचय  |  |   |  |
| म्मः उपाधि   | कक्षा :बीए   | वर्ष: तृतीय  | सत्र: 2023-24   |  |
|  | विषयः हिन्दी साहित्य   |  |   |  |
| · · · · · · · · · · · · · · · · · · ·  |  |  |   |  |
| पाठ्यक्रम का काड   | A3-HLIT1D  |  |   |  |
| पाठ्यक्रम का शीर्षक  | काव्यांग विवेचन एवं जनपदीय भाषा-साहित्य (बुन्देली/मालवी/बघेली) (प्रश्न प   |  |   |  |
| पाठ्यक्रम का प्रकार :(कोर कोर्स/<br>डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलेक्टिव<br>/इलेक्टिव/जेनेरिक इलेक्टिव/<br>वोकेशनल/.माइनर) | डिसिप्लि   | न स्पेसिफिक इलेक्टिव<br>समूह अ   | (सैद्धांतिक)  |  |
| पूर्वापेक्षा (Prerequisite)  | इस कोर्स का अध्ययन करने<br>डिप्लोमा में किया हो ।  | के लिए, छात्र ने हिर्न्द   | ो साहित्य विषय का अध्ययन  |  |
| पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां<br>(कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)   | <ol> <li>विद्यार्थी काव्य के<br/>भाँति समझ सकेंगे</li> <li>जनपदीय भाषा एव</li> <li>जनपदीय भाषा सा<br/>विविधता से परिचि</li> <li>विद्यार्थी जनपदीय<br/>बोलियों के साहित्य<br/>आदि के माध्यम से</li> </ol>                             | प्रमुख अंगों का अध्य<br>।<br>i साहित्य का ज्ञान प्रा<br>हित्य के माध्यम से भ<br>त होंगे ।<br>भाषा कौशल में पारंग<br>को संगीतबद्ध करन<br>स्वयं के व्यावसायिक  | यन कर काव्य को भली<br>प्त कर सकेंगे ।<br>गरतीय संस्कृति की<br>त होंगे। क्षेत्रीय भाषाओं ,<br>1 , नाट्यरूपांतर करना<br>कला मंच स्थापित कर  |  |
| क्रेडिट मान  |  | 06   |   |  |
| कुल अंक  | अधिकतम अंक: 30+70  |  |   |  |
|  | पाठयक्रम का कोड<br>पाठयक्रम का प्रकार :(कोर कोर्स/<br>डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलेक्टिव<br>/इलेक्टिव/जेनेरिक इलेक्टिव/<br>वोकेशनल/.माइनर)<br>पूर्वापेक्षा (Prerequisite)<br>पाठयक्रम अध्ययन की परिलब्धियां<br>(कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO) | भाग अ – परिचय<br>म: उपाधि कक्षा :बीए<br>विषय: हिन्दी साहित्य<br>पाठ्यक्रम का कोड<br>पाठ्यक्रम का शीर्षक काव्यांग विवेचन एवं जनपद<br>पाठ्यक्रम का श्रीर्षक इलेक्टिव<br>/इलेक्टिव/जेनेरिक इलेक्टिव/<br>वोकेशनल/.माइनर)<br>पूर्वपिक्षा (Prerequisite) इस कोर्स का अध्ययन करने<br>डिप्लोमा में किया हो ।<br>पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां<br>(कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)<br>पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां<br>(कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)<br>पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां<br>(कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO) | भाग अ - परिचय<br>म: उपाधि कक्कषा :बीए वर्ष: तृतीय<br>विषय: हिन्दी साहित्य<br>पाठ्यक्रम का कोड A3-HLIT1D<br>पाठ्यक्रम का श्रीर्षक<br>पाठ्यक्रम का श्रीर्षक<br>पाठ्यक्रम का प्रकार :(कोर कोर्स/<br>डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलेक्टिव<br>/हलेक्टिव/जेनेरिक इलेक्टिव<br>/हलेक्टिव/जेनेरिक इलेक्टिव/<br>वोकेशनल/.माइनर)<br>पूर्वपिक्षा (Prerequisite)<br>इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए, छात्र ने हिन्द<br>डिप्लोमा में किया हो ।<br>पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां<br>(कोर्स लॉर्नेंग आउटकम) (CLO)<br>पाठ्यक्रम में स्वायक के सफल समापन पर, विद्यार्थी ति<br>1. विद्यार्थी काव्य के प्रमुख अंगों का अध्य<br>भाँति समझ सकेंगे ।<br>2. जनपदीय भाषा एवं साहित्य का ज्ञान प्रा<br>3. जनपदीय भाषा सहित्य का ज्ञान प्रा<br>3. जनपदीय भाषा सहित्य का साध्यम से भ<br>विविधता से परिचित होंगे ।<br>4. विद्यार्थी जनपदीय भाषा कौशल में पारंग<br>बोलियों के साहित्य को संगीतबद्ध करन<br>आदि के माध्यम से स्वयं के व्यावसायिक<br>सकेंगे, देश-विदेश में प्रस्तुतियाँ दे सकेंगे<br>केडिट मान 06 |  |

डा पुरुषा उठी उत्तर्भ, ते-दीय उत्तर्भन मण्डल बी.ए. होर्य वर्ध, टिन्ही साहित्य

|                 | भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु   |  |
|-----------------|---|--|
| व्याख्यान की कु | ल संख्या- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में L-3): L-3 -T-P:  |  |
| इकाई            | विषय  | व्याख्यान की संख्या<br>(1 घंटा/ व्याख्यान) |
| 1               | काव्यशास्त्रीय अवधारणाएँ :<br>• काव्य लक्षण<br>• काव्य प्रयोजन  | 90<br>18                                   |
| 2               | • काव्य हेतु<br>काव्य के प्रमुख अंग :   | 18   |
|                 | <ul> <li>रस विवेचन</li> <li>अलंकार (प्रमुख अलंकार- उपमा, उत्प्रेक्षा,<br/>रूपक,यमक,श्लेष,अनुप्रास)</li> <li>शब्द शक्ति</li> <li>काव्य गुण ( प्रसाद, माधुर्य, ओज)</li> <li>छन्द – दोहा, सोरठा, चौपाई, कवित्त, सवैया</li> </ul>                 |  |
|                 | <ul> <li>जनपदीय- भाषा : (बुन्देली/मालवी/बघेली)</li> <li>जनपदीय भाषा का भौगोलिक क्षेत्र विस्तार</li> <li>जनपदीय भाषा (बुन्देली/मालवी/बघेली) की<br/>ऐतिहासिक पृष्ठभूमि</li> <li>जनपदीय भाषा का इतिहास</li> <li>जनपदीय भाषा का इतिहास</li> </ul> | 18   |
|                 | जनपदीय भाषा के प्रतिनिधि रचनाकार एवं<br>रचनाएँ -  | 18   |

|   | अ- बुन्देली भाषा और इतिहास  |   |
|---|---|---|
|   | प्रमुख कवि – (व्याख्या एवं समीक्षा)   |   |
|   | 1 जगनिक – आलह खण्ड<br>अंश " सुमिरन करके नारायण को<br>2 ईसुरी –  |   |
| 3 | 1 वंदना- सुमिरन करों शारदा माता,<br>3 भक्तिपरख फागें – हमखो कोउ रजउ की सानी,<br>दूजी नॉइ दिखानी।<br>4 प्रकृतिपरख फागें – अब रित आई बसंत बहारन<br>5 लोक जीवन की चौकडि़यॉ – हंसा उड़ चल देख<br>बिरानें सरवर जात सुखानें               | * |
|   | 3 संतोष सिंह बुन्देला –   |   |
|   | <ol> <li>ऐसौ जौ बुन्देलखण्ड है, सौ नौनें से नौंनौ।</li> <li>मिठौआ है ई कुऑ कौ नीर।</li> <li>लगा रऔ कुकरा कबसें टेर</li> <li>हमारे रमटेरा की तान</li> <li>सरग तरइयाँ कीनें गिन लई</li> </ol>   |   |
|   | 4 माधव शुक्ल मनोज -   |   |
|   | <ol> <li>बड़ी रसीली कों गई रातें</li> <li>नीके बसंती आ गये दिन</li> <li>फागुन आ गऔ</li> <li>कब से देखूँ बाठ पिया की</li> <li>अंगना के फूल खिला जइयों</li> </ol>   |   |
|   | ब – मालवी एवं निमाड़ी भाषा और साहित्य<br>प्रमुख कवि (व्याख्या एवं समीक्षा) <u>01. संत</u><br>पीपा –<br>संत पीपा वाणी एवं पद<br>प्रारंभिक 5 साखियाँ , प्रारम्भिक पद 05<br>महायोगी वैष्णव संत श्री पीपाजी – सं. श्री राजेन्द्र<br>दास |   |
|   |   |   |

J.II. 2022 Si your 3d 31844, dy-24 318449 Hard A.E. and a feed ATTERY



5, your 3 de 31844, 3-24 318445 AFS A 31844, 3-24 318445 AFS A A.E. EINE ad FE-El 2016ay

| 1.5 बिटियन केर पढ़ाई  |  |
|---|--|
| <ol> <li>2. <u>सैफुद्दीन सिद्दीकी 'सैफू</u>' ( कवि- परिचय एवं साहित्यिक<br/>विशेषताएँ)</li> <li>2.1 किसान</li> <li>2.2 रूपिया केर महातिम</li> <li>2.3 मुँह देखा अब कजरहटा मा</li> <li>2.4 दडउ त बनाइस मनई</li> <li>2.5 अरे अक्किल का माँजा</li> </ol> |  |
| 3. <u>डॉ. अमोल बटरोही</u> – ( कवि परिचय एवं साहित्यक<br>विशेषताएँ)  |  |
| 3.1 पेट त उठउ आय<br>3.2 ॲजुरी भर प्यार लोई देड<br>3.3 को कहइ<br>3.4 कोइयॉ मुर्रत परे रहे<br>3.5 को होइगा  | f  |
| 4. <u>बाबूलाल दाहिया –</u> ( कवि परिचय एवं साहित्यक<br>विशेषताऍ)<br>4.1 गज़ल – अब हमी उनहूँ निता स्वाचे का चाही   |  |
| 4.2 अकेले डॉग मा गोरू चराबै कोल बरसइत<br>4.3 हरबाह के कनूत  |  |
| जन जातीय भाषा साहित्य<br>1. जन जातीय भाषा साहित्य संग्रह (लिखित<br>/वीडियो)<br>2. किसी भी जन जातीय भाषा- साहित्य का<br>अनुवाद<br>3. जन जातीय भाषा साहित्य का भाषिक<br>सौन्दर्य<br>4. जन जातीय भाषा साहित्य अन्तर्गत संस्कृति<br>का अध्ययन             | 18   |
|   | 2. सैफुद्दीन सिद्धीकी 'सैफू' (कवि- परिचय एवं साहित्यिक विशेषताएँ)         2.1 किसान         2.2 रूपिया केर महातिम         2.3 मुँह देखा अब कजरहटा मा         2.4 दडउ त बनाइस मनई         2.5 और अक्किल का मॉजा         3. डॉ. अमोल बटरोही – (कवि परिचय एवं साहित्यक विशेषताएँ)         3.1 पेट त उठउ आय         3.2 ॲजुरी भर प्यार लोई देड         3.3 को कहइ         3.4 कोइयॉ मुर्रत परे रहे         3.5 को होइगा         4. बाबूलाल दाहिया – (कवि परिचय एवं साहित्यक विशेषताएँ)         4.1 गज़ल – अब हमी उनहूँ निता स्वाचे का चाही         4.2 अकेले डॉग मा गोरू चराबै कोल बरसइत         4.3 हरबाह के कनूत         जन जातीय भाषा साहित्य         1. जन जातीय भाषा साहित्य संग्रह (लिखित /वीडिय))         2. किसी भी जन जातीय भाषा साहित्य का भाषिक सौन्दर्य         3. जन जातीय भाषा साहित्य का भाषिक सौन्दर्य |

7.11,2022 51 मुख्या 30 अहत्यस् छेन्द्रीय अहम्बा म्लास बी ए- ल्रीड वर्ष, हिन्द्री स्वाहित्यु

|  | 5. जन जातीय भाषा   | साहित्य और संगीत  |  |
|--|--|---|--|
|  |  |   |  |
| ावहारिक ज्ञान  | (किन्हीं 2 पर कार्य  | करें।   |  |
|  |  | प्रकाशित लोक साहित्य  |  |
|  | का संग्रह ।  |   |  |
|  | अनुवाद।  |   |  |
|  | समीक्षा।   |   | 한 김 씨는 소비와 같은  |
|  | लोकगीतों को मौति   | तेक रूप से संगीत बद्ध   |  |
|  | करना।  | वाचन, संस्वर  |  |
|  | प्रस्तुति।   |   |  |
| वर्ड: काव्यशास्त्र चौक   | ड़ेया ,फाग , लोकसाहित्य , लोक  |   |  |
|  | קיויאיזי, מושימווקמי, מומי   | संस्कृ।त  |  |
|  |  |   |  |
|  |  |   |  |
| । स. अन्धांसित अभाग  | न संस्थान  |   |  |
| And Back Street Streets  |  |   |  |
| ग स- अनुशंसित अध्ययन<br>• अनुशंसित सहायक   |  | गन/पाठ्य सामग्री:   |  |
| • अनुशंसित सहायक   | पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाध  |   |  |
| <ul> <li>अनुशंसित सहायक</li> <li>शर्मा, डॉ शैलेंद्र कुमार्</li> </ul>  | पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाध<br>इ. चौहान, डॉ दिलीप कमार. "मालवी   | भाषा और साहिता" मध्य  | प्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी भोपाल   |
| <ul> <li>अनुशंसित सहायक</li> <li>शर्मा, डॉ शैलेंद्र कुमा</li> <li>शुक्ल,त्रिभुवन नाथ, ड</li> </ul>   | पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाध<br>र, चौहान, डॉ दिलीप कुमार,"मालवी<br>ॉ कामिनी,परमार , डॉ बहादर सिंह   | भाषा और साहित्य" मध्य<br>"बन्देली भाषा और साहित्य   | יידנ   |
| <ul> <li>अनुशंसित सहायक</li> <li>शर्मा, डॉ शैलेंद्र कुमा</li> <li>शुक्ल,त्रिभुवन नाथ, ड</li> <li>हंस,डॉ कृष्ण लाल "ब्र्</li></ul>  | पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाध<br>र, चौहान, डॉ दिलीप कुमार,"मालवी<br>ॉ कामिनी,परमार , डॉ बहादुर सिंह<br>न्देली और क्षेत्रीय रूप" हिन्दी साहि  | भाषा और साहित्य" मध्य<br>"बुन्देली भाषा और साहित<br>य सम्प्रेलन प्रयाग प्रथप व  | य"<br>ग्रेस्टर्ग्ण 1076 र्न  |
| <ul> <li>अनुशंसित सहायक</li> <li>शर्मा, डॉ शैलेंद्र कुमा</li> <li>शुक्ल,त्रिभुवन नाथ, ड</li> <li>हंस,डॉ कृष्ण लाल "बु</li> <li>शुक्ल,दुर्गाचरण "बुन्दे</li> </ul>  | पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाध<br>र, चौहान, डॉ दिलीप कुमार, "मालवी<br>ॉ कामिनी,परमार , डॉ बहादुर सिंह<br>न्देली और क्षेत्रीय रूप" हिन्दी साहित्<br>ती एक भाषा वैज्ञानिक अध्ययन" क   | भाषा और साहित्य" मध्य<br>"बुन्देली भाषा और साहित<br>य सम्मेलन प्रयाग प्रथम स<br>ला परिषद टिकमगद प्रथ  | य"<br>नेस्करण १९७६ ई.<br>ए. संस्करण १९७८ ई.  |
| <ul> <li>अनुशंसित सहायक</li> <li>शर्मा, डॉ शैलेंद्र कुमा</li> <li>शुक्ल,त्रिभुवन नाथ, ड</li> <li>हंस,डॉ कृष्ण लाल "बु</li> <li>शुक्ल,दुर्गाचरण "बुन्दे</li> <li>शर्मा, डॉ रमेश"लोक</li> </ul>  | पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाध<br>र, चौहान, डॉ दिलीप कुमार, "मालवी<br>ॉ कामिनी,परमार , डॉ बहादुर सिंह<br>न्देली और क्षेत्रीय रूप" हिन्दी साहित<br>ली एक भाषा वैज्ञानिक अध्ययन" क<br>साहित्य" बेनी माधव प्रकाशन वाराण  | भाषा और साहित्य" मध्य<br>"बुन्देली भाषा और साहित<br>य सम्मेलन प्रयाग प्रथम स्<br>ला परिषद टिकमगढ़ प्रथा<br>सी प्रथम संस्करणा 1969   | य"<br>ांस्करण 1976 ई.<br>म संस्करण 1976 ई.<br>र्न  |
| <ul> <li>अनुशंसित सहायक</li> <li>शर्मा, डॉ शैलेंद्र कुमा</li> <li>शुक्ल,त्रिभुवन नाथ, ड</li> <li>हंस,डॉ कृष्ण लाल "बु</li> <li>शुक्ल,दुर्गाचरण "बुन्दे</li> <li>शर्मा, डॉ रमेश"लोक</li> <li>शर्मा,डॉ सत्येंद्र -प्रधा</li> </ul>   | पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाध<br>र, चौहान, डॉ दिलीप कुमार, "मालवी<br>ॉ कामिनी,परमार , डॉ बहादुर सिंह<br>न्देली और क्षेत्रीय रूप" हिन्दी साहित<br>ती एक भाषा वैज्ञानिक अध्ययन" क<br>साहित्य" बेनी माधव प्रकाशन वाराण्<br>न , उषा "बघेली भाषा और साहित्य   | भाषा और साहित्य" मध्य<br>"बुन्देली भाषा और साहित<br>य सम्मेलन प्रयाग प्रथम स<br>ला परिषद टिकमगढ़ प्रथ<br>सी प्रथम संस्करण 1969<br>''मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रंथ, अ   | य"<br>ांस्करण 1976 ई.<br>म संस्करण 1976 ई.<br>र्न  |
| <ul> <li>अनुशंसित सहायक</li> <li>शर्मा, डॉ शैलेंद्र कुमा</li> <li>शुक्ल,त्रिभुवन नाथ, ड</li> <li>हंस,डॉ कृष्ण लाल "बु</li> <li>शुक्ल,दुर्गाचरण "बुन्दे</li> <li>शर्मा, डॉ रमेश"लोक<br/>शर्मा,डॉ सत्येंद्र -प्रधा</li> <li>मिश्र,डॉ भगीरथ "काठ</li> </ul>   | पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाध<br>र, चौहान, डॉ दिलीप कुमार, "मालवी<br>ॉ कामिनी, परमार , डॉ बहादुर सिंह<br>न्देली और क्षेत्रीय रूप" हिन्दी साहित<br>ती एक भाषा वैज्ञानिक अध्ययन" क<br>साहित्य बेनी माधव प्रकाशन वाराण<br>न , उषा "बघेली भाषा और साहित्य<br>पशास्त" विश्वविद्यालय प्रकाशन गोर   | भाषा और साहित्य" मध्य<br>"बुन्देली भाषा और साहित<br>य सम्मेलन प्रयाग प्रथम स्<br>ला परिषद टिकमगढ़ प्रथ<br>सी प्रथम संस्करण 1969<br>"मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रंथ अ<br>खपर 1963  | य"<br>नंस्करण 1976 ई.<br>म संस्करण 1976 ई.<br>ई.<br>कादमी भोपाल  |
| <ul> <li>अनुशंसित सहायक</li> <li>शर्मा, डॉ शैलेंद्र कुमा</li> <li>शुक्ल,त्रिभुवन नाथ, ड</li> <li>हंस,डॉ कृष्ण लाल "बु</li> <li>शुक्ल,दुर्गाचरण "बुन्दे</li> <li>शर्मा, डॉ रमेश"लोक</li> <li>शर्मा, डॉ सत्येंद्र -प्रधा</li> <li>मिश्र,डॉ भगीरथ "काठ</li> <li>सिंह, डॉ योगेंद्र प्रताप</li> </ul>   | पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाध<br>, चौहान, डॉ दिलीप कुमार, "मालवी<br>ॉ कामिनी,परमार , डॉ बहादुर सिंह<br>न्देली और क्षेत्रीय रूप" हिन्दी साहित<br>ली एक भाषा वैज्ञानिक अध्ययन" क<br>साहित्य" बेनी माधव प्रकाशन वाराण<br>न , उषा "बघेली भाषा और साहित्य<br>पशास्त्र" विश्वविद्यालय प्रकाशन गोर<br>"भारतीय काव्यशास्त्र" लोक भारती   | भाषा और साहित्य" मध्य<br>"बुन्देली भाषा और साहित<br>य सम्मेलन प्रयाग प्रथम स<br>ला परिषद टिकमगढ़ प्रथ<br>सी प्रथम संस्करण 1969<br>"मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रंथ अ<br>खपुर 1963<br>पकाशन डलाहाबाट 199  | य"<br>नंस्करण 1976 ई.<br>म संस्करण 1976 ई.<br>ई.<br>कादमी भोपाल  |
| <ul> <li>अनुशंसित सहायक</li> <li>शर्मा, डॉ शैलेंद्र कुमान्<br/>शुक्ल,त्रिभुवन नाथ, ड<br/>हंस,डॉ कृष्ण लाल "बु<br/>शुक्ल,दुर्गाचरण "बुन्दे<br/>शुक्ल,दुर्गाचरण "बुन्दे<br/>श्रार्मा, डॉ रमेश"लोक<br/>शर्मा, डॉ सत्येंद्र -प्रधान<br/>भिश्र,डॉ भगीरथ "काठ<br/>सिंह, डॉ योगेंद्र प्रताप<br/>चन्द्रगुप्त, डॉ सुरेश "अ</li> </ul>   | पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाध<br>, चौहान, डॉ दिलीप कुमार, "मालवी<br>ॉ कामिनी,परमार , डॉ बहादुर सिंह<br>न्देली और क्षेत्रीय रूप" हिन्दी साहित<br>ती एक भाषा वैज्ञानिक अध्ययन" क<br>साहित्य बेनी माधव प्रकाशन वाराण<br>न , उषा "बघेली भाषा और साहित्य<br>पशास्त्र" विश्वविद्यालय प्रकाशन गोर<br>"भारतीय काव्यशास्त्र" लोक भारती<br>ाधुनिक हिन्दी कवियों के काव्य सि  | भाषा और साहित्य" मध्य<br>"बुन्देली भाषा और साहित<br>य सम्मेलन प्रयाग प्रथम स<br>ला परिषद टिकमगढ़ प्रथ<br>सी प्रथम संस्करण 1969<br>'मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रंथ अ<br>खपुर 1963<br>प्रकाशन इलाहाबाद 199<br>दान्त" हिन्दी साहित्य संस   | य"<br>नंस्करण 1976 ई.<br>म संस्करण 1976 ई.<br>ई.<br>कादमी भोपाल  |
| <ul> <li>अनुशंसित सहायक</li> <li>शर्मा, डॉ शैलेंद्र कुमा</li> <li>शुक्ल,त्रिभुवन नाथ, ड</li> <li>हंस,डॉ कृष्ण लाल "बु</li> <li>शुक्ल,दुर्गाचरण "बुन्दे</li> <li>शर्मा, डॉ रमेश"लोक र</li> <li>शर्मा, डॉ सत्येंद्र -प्रधा</li> <li>शर्मा, डॉ सत्येंद्र प्रधा</li> <li>सिंह, डॉ योगेंद्र प्रताप</li> <li>चन्द्रगुप्त, डॉ सुरेश "अ</li> <li>त्रिपाठी,राममूर्ति "साहि</li> </ul>   | पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाध<br>र, चौहान, डॉ दिलीप कुमार, "मालवी<br>ॉ कामिनी, परमार , डॉ बहादुर सिंह<br>न्देली और क्षेत्रीय रूप" हिन्दी साहित<br>ती एक भाषा वैज्ञानिक अध्ययन" क<br>साहित्य " बेनी माधव प्रकाशन वाराण<br>न , उषा "बघेली भाषा और साहित्य<br>पशास्त" विश्वविद्यालय प्रकाशन गोर<br>"भारतीय काव्यशास्त" लोक भारती<br>11धुनिक हिन्दी कवियों के काव्य सित<br>त्य शस्त्र के प्रमुख पक्ष" वाणी प्रका   | भाषा और साहित्य" मध्य<br>"बुन्देली भाषा और साहित<br>य सम्मेलन प्रयाग प्रथम स<br>ला परिषद टिकमगढ़ प्रथ<br>सी प्रथम संस्करण 1969<br>"मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रंथ अ<br>खपुर 1963<br>प्रकाशन इलाहाबाद 199<br>द्वान्त" हिन्दी साहित्य संस<br>रान नई टिल्ली  | य"<br>नंस्करण 1976 ई.<br>म संस्करण 1976 ई.<br>ई.<br>कादमी भोपाल  |
| <ul> <li>अनुशंसित सहायक</li> <li>शर्मा, डॉ शैलेंद्र कुमान्<br/>शुक्ल,त्रिभुवन नाथ, ड<br/>हंस,डॉ कृष्ण लाल "बु<br/>शुक्ल,दुर्गाचरण "बुन्देन<br/>श्यर्मा, डॉ रमेश"लोक<br/>शर्मा, डॉ सत्येंद्र -प्रधान<br/>श्रम्म, डॉ सत्येंद्र -प्रधान<br/>मिश्र,डॉ भगीरथ "काठ<br/>सिंह, डॉ योगेंद्र प्रताप<br/>चन्द्रगुप्त, डॉ सुरेश "अ<br/>त्रिपाठी,राममूर्ति "साहि<br/>वाजपेयी, नन्ददुलारे"री</li> </ul>  | पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाध<br>, चौहान, डॉ दिलीप कुमार, "मालवी<br>ॉ कामिनी,परमार , डॉ बहादुर सिंह<br>न्देली और क्षेत्रीय रूप" हिन्दी साहित<br>ती एक भाषा वैज्ञानिक अध्ययन" क<br>साहित्य बेनी माधव प्रकाशन वाराण<br>न , उषा "बघेली भाषा और साहित्य<br>पशास्त्र" विश्वविद्यालय प्रकाशन गोर<br>"भारतीय काव्यशास्त्र" लोक भारती<br>तथ्य सस्त के प्रमुख पक्ष" वाणी प्रका<br>ति और शैली" वाणी प्रकाशन नई f   | भाषा और साहित्य" मध्य<br>"बुन्देली भाषा और साहित<br>य सम्मेलन प्रयाग प्रथम स<br>ला परिषद टिकमगढ़ प्रथ<br>सी प्रथम संस्करण 1969<br>"मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रंथ अ<br>खपुर 1963<br>प्रकाशन इलाहाबाद 199<br>द्वान्त" हिन्दी साहित्य संस<br>रान नई दिल्ली<br>देल्ली  | य"<br>नंस्करण 1976 ई.<br>म संस्करण 1976 ई.<br>ई.<br>कादमी भोपाल  |
| <ul> <li>अनुशंसित सहायक</li> <li>शर्मा, डॉ शैलेंद्र कुमार</li> <li>शुक्ल,त्रिभुवन नाथ, ड</li> <li>हंस,डॉ कृष्ण लाल "बु</li> <li>शुक्ल,दुर्गाचरण "बुन्दे</li> <li>शर्मा, डॉ रमेश"लोक र</li> <li>शर्मा, डॉ सत्येंद्र -प्रधार</li> <li>शर्मा, डॉ सत्येंद्र प्रधार</li> <li>शर्मा, डॉ संरेंद्र प्रधार</li> <li>सिंह, डॉ योगेंद्र प्रताप</li> <li>चन्द्रगुप्त, डॉ सुरेश "अ</li> <li>त्रिपाठी,राममूर्ति "साहि</li> <li>वाजपेयी, नन्ददुलारे "र</li> <li>तोमर,टीकमसिंह "बघेत</li> </ul>                            | पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाध<br>र, चौहान, डॉ दिलीप कुमार, "मालवी<br>ॉ कामिनी, परमार , डॉ बहादुर सिंह<br>न्देली और क्षेत्रीय रूप" हिन्दी साहित<br>त्वी एक भाषा वैज्ञानिक अध्ययन" क<br>साहित्य" बेनी माधव प्रकाशन वाराण<br>न , उषा "बघेली भाषा और साहित्य<br>प्रशास्त्र" विश्वविद्यालय प्रकाशन गोर<br>"भारतीय काव्यशास्त" लोक भारती<br>ाधुनिक हिन्दी कवियों के काव्य सित<br>त्य शस्त के प्रमुख पक्ष" वाणी प्रकाश<br>ति और शैली" वाणी प्रकाशन ,नई f<br>ी भाषा और साहित्य" बिहार राष्ट्र भ                              | भाषा और साहित्य" मध्य<br>"बुन्देली भाषा और साहित<br>य सम्मेलन प्रयाग प्रथम स<br>ला परिषद टिकमगढ़ प्रथ<br>स्ती प्रथम संस्करण 1969<br>"मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रंथ अ<br>खपुर 1963<br>प्रकाशन इलाहाबाद 199<br>द्वान्त" हिन्दी साहित्य संस<br>रान नई दिल्ली<br>देल्ली<br>ाषा परिषद पटना  | य"<br>नंस्करण 1976 ई.<br>म संस्करण 1976 ई.<br>ई.<br>कादमी भोपाल<br>7 ई.<br>1र दिल्ली प्रथम संस्करण 1960 ई.   |
| <ul> <li>अनुशंसित सहायक</li> <li>शर्मा, डॉ शैलेंद्र कुमान्<br/>शुक्ल,त्रिभुवन नाथ, ड<br/>हंस,डॉ कृष्ण लाल "बु<br/>शुक्ल,दुर्गाचरण "बुन्दे<br/>शुक्ल,दुर्गाचरण "बुन्दे<br/>श्यर्मा, डॉ रमेश"लोक<br/>श्रम्रा, डॉ सत्येंद्र -प्रधान<br/>श्रम्रा, डॉ सत्येंद्र -प्रधान<br/>मिश्र,डॉ भगीरथ "काठ<br/>सिंह, डॉ योगेंद्र प्रताप<br/>चन्द्रगुप्त, डॉ सुरेश "अ<br/>त्रिपाठी,राममूर्ति "साहि<br/>वाजपेयी, नन्ददुलारे"री<br/>तोमर,टीकमसिंह"बघेल<br/>शुक्ल,भगवती प्रसाद"व</li></ul>                                     | पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाध<br>, चौहान, डॉ दिलीप कुमार, "मालवी<br>ॉ कामिनी, परमार , डॉ बहादुर सिंह<br>न्देली और क्षेत्रीय रूप" हिन्दी साहित<br>ने और क्षेत्रीय रूप" हिन्दी साहित्<br>ली एक भाषा वैज्ञानिक अध्ययन" क<br>साहित्य बेनी माधव प्रकाशन वाराण<br>न , उषा "बघेली भाषा और साहित्य<br>पशास्त विश्वविद्यालय प्रकाशन गोर<br>"भारतीय काव्यशास्त" लोक भारती<br>प्रधुनिक हिन्दी कवियों के काव्य सित<br>त्य शस्त्र के प्रमुख पक्ष" वाणी प्रका<br>ते और शैली" वाणी प्रकाशन ,नई f<br>नी भाषा और साहित्य साहित्य भाषा | भाषा और साहित्य" मध्य<br>"बुन्देली भाषा और साहित<br>य सम्मेलन प्रयाग प्रथम स<br>ला परिषद टिकमगढ़ प्रथ<br>सी प्रथम संस्करण 1969<br>"मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रंथ अ<br>खपुर 1963<br>प्रकाशन इलाहाबाद 199<br>द्वान्त" हिन्दी साहित्य संस<br>रान नई दिल्ली<br>दिल्ली<br>षा परिषद पटना   | य"<br>नंस्करण 1976 ई.<br>म संस्करण 1976 ई.<br>ई.<br>कादमी भोपाल<br>7 ई.<br>1र दिल्ली प्रथम संस्करण 1960 ई.   |
| <ul> <li>अनुशंसित सहायक</li> <li>शर्मा, डॉ शैलेंद्र कुमान्<br/>शुक्ल,त्रिभुवन नाथ, ड<br/>हंस,डॉ कृष्ण लाल "बु<br/>शुक्ल,दुर्गाचरण "बुन्दे<br/>श्यर्मा, डॉ रमेश"लोक<br/>शर्मा, डॉ रमेश"लोक<br/>शर्मा,डॉ सत्येंद्र -प्रधान<br/>शर्मा,डॉ सत्येंद्र -प्रधान<br/>सिंह, डॉ योगेंद्र प्रताप<br/>चन्द्रगुप्त, डॉ सुरेश "अ<br/>त्रिपाठी,राममूर्ति "साहि<br/>वाजपेयी, नन्ददुलारे"री<br/>तोमर,टीकमसिंह"बघेत<br/>शुक्ल,भगवती प्रसाद"त<br/>शर्मा,डॉ शेलेन्द्र "शब्द-</li></ul>  | पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाध<br>, चौहान, डॉ दिलीप कुमार, "मालवी<br>ॉ कामिनी, परमार , डॉ बहादुर सिंह<br>न्देली और क्षेत्रीय रूप" हिन्दी साहित<br>ने और क्षेत्रीय रूप" हिन्दी साहित्<br>ली एक भाषा वैज्ञानिक अध्ययन" क<br>साहित्य बेनी माधव प्रकाशन वाराण<br>न , उषा "बघेली भाषा और साहित्य<br>पशास्त विश्वविद्यालय प्रकाशन गोर<br>"भारतीय काव्यशास्त" लोक भारती<br>प्रधुनिक हिन्दी कवियों के काव्य सित<br>त्य शस्त्र के प्रमुख पक्ष" वाणी प्रका<br>ते और शैली" वाणी प्रकाशन ,नई f<br>नी भाषा और साहित्य साहित्य भाषा | भाषा और साहित्य" मध्य<br>"बुन्देली भाषा और साहित<br>य सम्मेलन प्रयाग प्रथम स<br>ला परिषद टिकमगढ़ प्रथ<br>सी प्रथम संस्करण 1969<br>"मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रंथ अ<br>खपुर 1963<br>प्रकाशन इलाहाबाद 199<br>द्वान्त" हिन्दी साहित्य संस<br>रान नई दिल्ली<br>दिल्ली<br>षा परिषद पटना   | य"<br>नंस्करण 1976 ई.<br>म संस्करण 1976 ई.<br>ई.<br>कादमी भोपाल<br>7 ई.<br>1र दिल्ली प्रथम संस्करण 1960 ई.   |
| <ul> <li>अनुशंसित सहायक</li> <li>शर्मा, डॉ शैलेंद्र कुमान्<br/>शुक्ल,त्रिभुवन नाथ, ड<br/>हंस,डॉ कृष्ण लाल "बु<br/>शुक्ल,दुर्गाचरण "बुन्दे<br/>शुक्ल,दुर्गाचरण "बुन्दे<br/>श्यर्मा, डॉ रमेश"लोक<br/>श्रर्मा, डॉ रमेश"लोक<br/>श्रर्मा, डॉ सत्येंद्र -प्रधान<br/>मिश्र,डॉ भगीरथ "काठ<br/>सिंह, डॉ योगेंद्र प्रताप<br/>चन्द्रगुप्त, डॉ सुरेश "अ<br/>त्रिपाठी,राममूर्ति "साहि<br/>वाजपेयी, नन्ददुलारे"री<br/>तोमर,टीकमसिंह"बघेल<br/>शुक्ल,भगवती प्रसाद"ब<br/>शर्मा,डॉ शेलेन्द्र "शब्द-<br/>नई दिल्ली</li> </ul> | पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाध<br>, चौहान, डॉ दिलीप कुमार, "मालवी<br>ॉ कामिनी, परमार , डॉ बहादुर सिंह<br>न्देली और क्षेत्रीय रूप" हिन्दी साहित<br>ने और क्षेत्रीय रूप" हिन्दी साहित्<br>ली एक भाषा वैज्ञानिक अध्ययन" क<br>साहित्य बेनी माधव प्रकाशन वाराण<br>न , उषा "बघेली भाषा और साहित्य<br>पशास्त विश्वविद्यालय प्रकाशन गोर<br>"भारतीय काव्यशास्त" लोक भारती<br>प्रधुनिक हिन्दी कवियों के काव्य सित<br>त्य शस्त्र के प्रमुख पक्ष" वाणी प्रका<br>ते और शैली" वाणी प्रकाशन ,नई f<br>नी भाषा और साहित्य साहित्य भाषा | भाषा और साहित्य" मध्य<br>"बुन्देली भाषा और साहित<br>य सम्मेलन प्रयाग प्रथम स<br>ला परिषद टिकमगढ़ प्रथ<br>स्ती प्रथम संस्करण 1969<br>"मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रंथ अ<br>खपुर 1963<br>प्रकाशन इलाहाबाद 199<br>द्वान्त" हिन्दी साहित्य संस<br>रान नई दिल्ली<br>देल्ली<br>ाषा परिषद पटना<br>वन इलाहाबाद प्रथम संस्<br>अवधारणा तथा हिन्दी का | य"<br>नंस्करण 1976 ई.<br>म संस्करण 1976 ई.<br>ई.<br>कादमी भोपाल<br>7 ई.<br>1र दिल्ली प्रथम संस्करण 1960 ई.<br>करण 1971 ई.<br>1व्य शस्त्र" नेशनल पब्लिशिंग हाउस |

- शर्मा,डॉ शैलेंद्र " मालवा का लोक माच एवं अन्य विधाएँ" अंकुर मंच उज्जैन
- मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादेमी से प्रकाशित पुस्तकें

#### 2. अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म वेब लिंक

www.eshiksha.mp.gov.in

http://www.abmcollegejamshedpur.ac.in/pdfs/studymaterials/B.A.HINDI(Hon%27s)SEM-

3,CC-6%20Unit-21.pdf

https://old.amu.ac.in/emp/studym/99994856.pdf

भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां:

अधिकतम अंक: 100

सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 30 विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 70

| आंतरिक मूल्यांकन:           | क्लास टेस्ट                           |    |
|-----------------------------|---------------------------------------|----|
| सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE): | असाइनमेंट/ प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन) | 30 |
| आकलन :                      | अनुभाग (अ): अति लघु प्रश्न            |    |
| विश्वविद्यालयीन परीक्षाः    |                                       | 70 |
| समय- 03.00 घंटे             | अनुभाग (ब): लघु प्रश्न                |    |
|                             | अनुभाग (स): दीर्घ उत्तरीय प्रश्न      |    |

312429 25-24 372444445 312429 25-24 372444445 A.E. A.A. 46, FE-17 MIRA

|       |  | भाग अ–1   | गरिचय  |  |
|-------|--|---|--|--|
| कार्य | क्रम: डिग्री   | कक्षा :बीए  | वर्ष:तृतीय   | सत्र:2023-24   |
|       |  | विषय : हिर्न्द  | <br>] साहित्य  |  |
| 1     | पाठ्यक्रम का कोड   |   | A3-HLI   | T2D  |
| 2     | पाठ्यक्रम का शीर्षक  | जन संचार म  | गध्यम: सिद्धान्त औ   | रि अनुप्रयोग (प्रश्न पत्र II )   |
| 3     | पाठ्यक्रम का प्रकार :(कोर<br>कोर्स/ डिसिप्लिन<br>स्पेसिफिक इलेक्टिव<br>/इलेक्टिव/जेनेरिक<br>इलेक्टिव/वोकेशनल/.माइनर<br>) | डिसि  | प्लिन स्पेसिफिक इ<br>समूह र  | लेक्टिव (सैद्धांतिक)<br>अ  |
| 4     | पूर्वापेक्षा (Prerequisite)  | इस कोर्स का अध्ययन<br>डिप्लोमा में किया हो ।                                  |  | न ने हिन्दी साहित्य विषय का अध्ययन   |
| 5     | पाठ्यक्रम अध्ययन की<br>परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग<br>आउटकम)(CLO)   | <ol> <li>यह प<br/>संचा<br/>में स<br/>2. विद्या<br/>।<br/>3. विद्या</li> </ol> | रक रोजगारोन्मुखी<br>र माध्यम में कौशल प्<br>हयोगी होगा ।<br>थीं महत्वपूर्ण व्यक्ति | ाथीं निम्न में सक्षम होंगे:<br>पाठ्यक्रम है जो विद्यार्थियों को जन<br>प्राप्त करने एवं रोजगार प्राप्त करने<br>प्यों के साक्षात्कार लेने में सक्षम होंगे<br>के माध्यम से सामाजिक और राष्ट्रीय |
|       |  |   |  | 7-11-2022<br>Si youi zel   |

# प्रश्नपत्र (सैद्धांतिक)

| 6     | क्रेडिट मान    |  |  | 06              | 5                       |  |
|-------|----------------|--|--|-----------------|-------------------------|--|
| 7     | कुल अंक        |  | अधिकतम अंक: 30+70  |                 | न्यूनतम उत्तीर्ण अंक:35 |  |
|       |                |  | भाग ब- पाठ्यक्रम की वि   | षयवस्तु         |                         |  |
| व्याख | प्रान की कुल स | ांख्या-प्रायोगिक   | (प्रति सप्ताह घंटे में L -3 )  | L-T-P:          |                         |  |
| इकाई  | ŧ              | विषय   |  | व्याख्य         | ान की संख्या            |  |
|       |                |  |  |                 |                         |  |
|       |                |  |  | (1 घंट          | टा/ व्याख्यान)          |  |
|       |                |  |  | (1 घंत<br>90    | टा/ व्याख्यान)          |  |
| 1     |                | आयाम   | भवधारणा और विविध   |                 | टा/ व्याख्यान)          |  |
| 1     |                | आयाम<br>• जनसंच  | अवधारणा और विविध<br>ार माध्यम परिभाषा, स्वरूप<br>ोतियाँ ।  | 90              | टा/ व्याख्यान)          |  |
| 1     |                | आयाम<br>• जनसंच<br>एवं चुनै<br>• जनसंच                                 | ार माध्यम परिभाषा, स्वरूप  | 90<br><b>18</b> | टा/ व्याख्यान)          |  |
| 1     |                | आयाम<br>• जनसंच<br>एवं चुनै<br>• जनसंच                                 | ार माध्यम परिभाषा, स्वरूप<br>तियाँ ।<br>ार माध्यमों का स्वरूप – प्रिंट<br>श्रव्य, दृश्य-श्रव्य,इंटरनेट । | 90<br><b>18</b> | टा/ व्याख्यान)          |  |
|       |                | आयाम<br>• जनसंच<br>एवं चुनै<br>• जनसंच<br>(मुद्रण)<br>प्रिंट पत्रकारित | ार माध्यम परिभाषा, स्वरूप<br>तियाँ ।<br>ार माध्यमों का स्वरूप – प्रिंट<br>श्रव्य, दृश्य-श्रव्य,इंटरनेट । | 90<br>18<br>18  | टा∕ व्याख्यान)          |  |

उत्नार उने इ. पुट्ता उने अध्यम, जेन्द्रीय अध्ययन मन्द्र बी. ए. त्रीय वार्च, म्हन्दी साहित्यु

|   | <ul> <li>समाचार का वर्गीकरण=<br/>खोजी,व्याख्यापरक एवं अनुवर्तन<br/>समाचार</li> <li>संवाददाता की भूमिका,</li> <li>सम्पादकीय लेखन,स्तम्भ लेखन,एवं<br/>फीचर लेखन</li> <li>मुद्रण कला: ले-आउट एवं पृष्ठसज्जा</li> </ul>   |    |
|---|---|----|
| 3 | पत्रकारिता प्रबंधन :=<br>• विज्ञापन विक्रय एवं वितरण<br>• प्रेसवार्ता एवं साक्षात्कार   | 18 |
| 4 | <ul> <li>इश्य-श्रव्य माध्यम : इलेक्ट्रोनिक मीडिया की<br/>पत्रकारिता</li> <li>समाचार संकलन {दृश्य श्रव्य माध्यम<br/>के लिए}</li> <li>संपादन प्रस्तुतिकरण की प्रक्रिया</li> <li>टेलीविजन,धारावाहिक ,<br/>टेलीड्रामा , टेलीफिल्म , डाक्यूड्रामा</li> <li>दृश्य –श्रव्य माध्यम के लिए विज्ञापन<br/>निर्माण –लेखन एवं प्रस्तुति</li> <li>प्रेस वार्ता एवं साक्षात्कार</li> </ul> | 18 |
| 5 | <ul> <li>न्यू मीडिया /वेब मीडिया</li> <li>न्यू मीडिया वेब मीडिया का आशय /<br/>/एवं विविध रूप</li> <li>न्यू मीडिया/वेब मीडिया मे समाचार<br/>लेखन ,सम्पादन एवं प्रस्तुतीकरण</li> <li>समाचार लेखन एवं सम्पादन</li> <li>न्यू मीडिया का सामाजिक एवं<br/>सांस्कृतिक पक्ष और प्रभाव</li> </ul>   | 18 |

7.11.2022 Si youi 30 31844, 3-54 318449 1000 At. C. CINA 98, FE-Stanked

|                  | <ul> <li>प्रेस एवं मीडिया संबंधी प्रमुख कानून<br/>एवं आचार संहिता</li> </ul>   |  |
|------------------|--|--|
| व्यावहारिक ज्ञान | <ul> <li>प्रिंट/रेडियो/ इलेक्ट्रॅानिक /न्यू<br/>मीडिया संबन्धित समाचार लेखन<br/>एवं प्रस्तुतीकरण</li> <li>फिल्म समीक्षा</li> </ul> |  |

की वर्ड : जनसंचार माध्यम,पत्रकारिता प्रबंधन,न्यू मीडिया एवं वेब मीडिया

भाग स-अनुशंसित अध्ययन संसाधन

अनुशंसित सहायक पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री:

- हरिमोहन "आधुनिक जनसंचार और हिन्दी " तक्षशिला प्रकाशन नई दिल्ली
- द्विवेदी,संजय"नए समय का संवाद : सोशल नेटवर्किंग " नेहा पब्लिशिंग अँड डिस्ट्रीबूटेर्स नई दिल्ली
- शुक्ल,सौरभ "नए जमाने की पत्रकारिता " विज़डम विलेज पब्लिकेशन्स नई दिल्ली
- श्रीवास्तव,डॉ,राजेश "दृश्य –श्रव्य माध्यम लेखन " कैलाश पुस्तक सदन भोपाल
- सिंह,अजय कुमार "इलेक्ट्रोनिक पत्रकारिता " लोकभारती प्रकाशन 2014
- जैन, डॉ संजीव कुमार "प्रयोजनमूलक कामकाजी हिन्दी एवं कम्प्यूटिंग" कैलाश पुस्तक सदन भोपाल

4

- द्विवेदी,संजय "मीडिया/भूमंडलीकरण और समाज
- परिहार,कालूराम "मीडिया का सामाजिक सरोकार "
- पटेल योगेश सोशल मीडिया
- मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादेमी भोपाल से प्रकाशित पुस्तकें

अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म / वेब लिंक

www.eshiksha.mp.gov.in

https://ignited.in/a/57930

https://ncert.nic.in/textbook/pdf/kham101.pdf

डा पुरुषा 3 उत्तर्भ अहम्मयन मन्द्रत

#### भाग द-अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

#### अनुशंसितसतत मूल्यांकन विधियां:

अधिकतम अंक: 100

सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 30 विश्वविद्यालयीनपरीक्षा(UE) अंक: 70

| आंतरिक मूल्यांकन:                     | क्लास टेस्ट                           |    |
|---------------------------------------|---------------------------------------|----|
| <b>सतत व्यापक मूल्यांकन</b><br>(CCE): | असाइनमेंट/ प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन) | 30 |
| आकलन :                                | अनुभाग (अ): अति लघु प्रश्न            |    |
| विश्वविद्यालयीन परीक्षाः              | अनुभाग (ब): लघु प्रश्न                | 70 |
| समय- 03.00 घंटे                       | अनुभाग (स): दीर्घ उत्तरीय प्रश्न      |    |
| कोई टिप्पणी/सुझाव:                    |                                       |    |

211.2022 21 JOUT 30 312457 25-29 3124407 2021 A.E. JAG 3124407 2021 A.E. JAG 3124407 2021

|       |   | ।श्रेपत्र (सद्धातक)   |                    |  |
|-------|---|---|--------------------|--|
|       |   | भाग अ–परिचय   |                    |  |
| कार्य | क्रम: डिग्री  | कक्षा :बीए  | वर्ष:तृतीय         | सत्र:2023-24   |
|       |   | विषय: हिन्दी साहित्य  |                    |  |
| 1     | पाठ्यक्रम का कोड  | A3-HLIT2T   |                    | •  |
| 2     | पाठ्यक्रम का शीर्षक   | लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति  |                    |  |
| 3     | पाठ्यक्रम का प्रकार :(कोर कोर्स <b>/</b><br>डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलेक्टिव<br>/इलेक्टिव/जेनेरिक<br>इलेक्टिव/वोकेशनल/.माइनर) | माइ   | नर /elective (सैद  | द्रांतिक)  |
| 4     | पूर्वापेक्षा (Prerequisite)   | इस कोर्स का अध्ययन व<br>अध्ययन डिप्लोमा में वि  |                    | ने हिन्दी साहित्य विषय क   |
| 5     | पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां<br>(कोर्स लर्निंग आउटकम)(CLO)   | <ul> <li>विद्यार्थी लोक जीवन शैली से भिज्ञ होंगे</li> <li>लोक साहित्य की विविध विधाओं का अध्ययन कर अपने ज्ञान और<br/>अनुभव से शोध कार्य करने में समर्थ होगे।</li> </ul> |                    |  |
|       |   | सकेंगे।<br>• लोक गीत, संगीत<br>संगीत नाट्य एवं  | त, नाट्य अभिनय आदि | कर, रोजगार प्राप्त कर<br>में रुचि रखने वाले विद्यार्थी<br>त्या प्रयोग करते हुए देश-<br>ो । |
| 6     | क्रेडिट मान   | 06  |                    |  |
|       | कुल अंक   | अधिकतम अंक: 30+7  |                    |  |

3. 2041 34 3. 2041 34 3. 244, 25-54 3. 2447 H. S. A. A. E. C. A. J. E. S. L. E. C.

|  | भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु   |                     |  |
|--|---|---------------------|--|
| व्याख्यान की कुल संख्या- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में L-3): L-T-P: |   |                     |  |
| इकाई   | विषय  | व्याख्यान की संख्या |  |
|  |   | (1घंटा/ व्याख्यान)  |  |
|  |   | 90                  |  |
| 1  | लोक-साहित्य एवं लोक संस्कृति की अवधारणा:  | 18                  |  |
|  | <ul> <li>लोक, लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति की अवधारण</li> <li>लोक वार्ता और लोक संस्कृति,</li> </ul>            |                     |  |
|  | <ul> <li>लोक संस्कृति और साहित्य का अंतस्संबन्ध</li> </ul>  |                     |  |
| 2  | लोक साहित्य के प्रमुख रूप एवं संकलन   | 18                  |  |
|  | <ul> <li>लोक साहित्य के प्रमुख रूपों का वर्गीकरणलोकगीत -,<br/>लोकनाट्य लोक कथा एवं लोक गाथा,</li> </ul>         |                     |  |
|  | <ul> <li>लोक-साहित्य की अध्ययन प्रक्रिया एवं संकलन की</li> </ul>  |                     |  |
|  | समस्याएं  |                     |  |
| 3  | लोकगीत एवं लोकनाट्यस्वरूप : प्रकार एवं विशेषताएँ-   | 18                  |  |
|  | <ul> <li>लोकगीत – अर्थ , परिभाषा एवं प्रकार (संस्कार गीत , वृत</li> </ul>                                       |                     |  |
|  | गीत , पर्व गीत ,श्रम गीत एवं ऋतु गीत आदि )<br>• लोकनाट्य– अवधारणा एवं प्रकार                                    |                     |  |
|  | <ul> <li>लाकनाट्य- अवधारणा एव प्रकार</li> <li>(रामलीला,रासलीला,कीर्तनिया,स्वाँग,यक्षगान,भवाई,नौटंकी)</li> </ul> |                     |  |
|  | ,माच,तमाशा,विदेसिया जात्रा आदि का संक्षिप्त परिचय   |                     |  |
| 4  | लोककथा एवं लोक गाथास्वरूप :प्रकार एवं विशेषताएं-  | 18                  |  |
|  | <ul> <li>लोककथा अर्थ -, परिभाषा, स्वरूप एवं प्रकार, व्रतकथा,</li> </ul>   |                     |  |
|  | परिकथा, नागकथा, बोधकथा आदि।   |                     |  |
|  | • कथानक रूढ़ियाँअभिप्राय/   |                     |  |
|  | <ul> <li>लोकगाथा, गोपीचन्दभर्थरी, नलदमयन्तीÂ आदि ।<br/>लोककथाओं एवं गाथाओं का सामाजिक जीवन पर प्रभाव</li> </ul> |                     |  |
| 5  | लोक संगीत , लोक नृत्य एवं अन्य विधाएँ -   | 18                  |  |
|  | • लोक संगीत, लोक वाद्य एवं विशिष्ट लोक ध्वनि से आशय,  |                     |  |
|  | स्वरूप  |                     |  |

51 your 3th 318481, eb-24 31840410 Heren A.E. E.M. and, FE-SI enlarger

|   | <ul> <li>लोक नृत्य के विविध रूप</li> <li>मुहावरे -, कहावतें, पहेलियाँ</li> <li>मेले एवं हाट</li> <li>संबंधित क्षेत्र के लोक साहित्य एवं संस्कृति का अध्ययन</li> <li>संबंधित क्षेत्र की लोक कलाओं लोक चित्र एवं -शिल्प क्र<br/>अध्ययन</li> </ul>  | Τ   |
|---|--|---|
| व्यावहारिक ज्ञान  | स्थानीय क्षेत्र के लोक गीत :लोक साहित्य, लोक कलाओं का  |   |
|   | संकलन, अनुवाद एवं प्रस्तुतिकरण। लोक कलाकारों से भेट वार्ता<br>प्रस्तुति।   |   |
| की वर्ड   | लोक , लोकसाहित्य, वार्ता लोक गाथा।   |   |
|   |  |   |
| भाग स-अनुशंसित  | अध्ययन संसाधन  |   |
| अनशंसित सहायक   | पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री:  |   |
| <ul> <li>उप</li> <li>तिव</li> <li>निर्गु</li> <li>निर्गु</li> <li>निर्गु</li> <li>दिन</li> <li>माथु</li> <li>गुप्त</li> <li>शम</li> </ul> | ध्याय,कृष्णदेव "लोक साहित्य की भूमिका" साहित्य भवन प्रा.लि.इलाह<br>ध्याय,कृष्णदेव "लोक संस्कृति की रूपरेखा" लोक भर्ती प्रकाशन नई 1<br>रि,डॉ कपिल "कथा वार्ता"(हिन्दी) आदिवासी लोक कला एवं बोली विव<br>णे, वसंत "निमाड़ी मुहावरे"हिन्दी) आदिवासी लोक कला एवं बोली विव<br>णे, वसंत "संत सिंगाजी" आदिवासी लोक कला एवं बोली विकास अक<br>णे, वसंत "संत सिंगाजी" आदिवासी लोक कला एवं बोली विकास अक<br>णे, वसंत "मध्य प्रदेश की लोक कथाएँ" प्रभात प्रकाशन प्रा.लि<br>कर, रामधारी सिंह "संस्कृति के चार अध्याय" साहित्य अकादेमी नई ति<br>र, जगदीश चन्द्र "परम्पराशील नाट्य" राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय नई दिल्ल<br>ा, डॉ सरोज, सुहाने,डॉ संगीता "लोक साहित्य और वैश्वीकरण" अनुभूति<br>र,डॉ शैलेंद्र "मालवा का लोक नाट्य माच एवं अन्य विधाएँ" अंकुर मंच<br>ा प्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादेमी भोपाल से प्रकाशित पुस्तकें | देल्ली<br>कास अकादेमी, भोपाल<br>कास अकादेमी, भोपाल<br>ादेमी, भोपाल<br>देल्ली 1956<br>ती<br>पब्लिशर इलाहाबाद |
| अनुशंसित डिजिटल   | प्लेटफॉर्म /वेब लिंक   |   |
| www.eshiksha.   | mo.gov.in  |   |
| https://rgu.ac.in   | /wp-content/uploads/2021/02/Download 600.  | pdf   |
| https://loksahity   | /a.weebly.com/uploads/9/7/2/1/972179/loksah  | itya.pdf  |
|   | 51<br>51<br>37841<br>CA.E  | Jouri 201<br>Jouri 201<br>51, -5-27 3-18-449 2001<br>- Center de le-El Hellery                              |

#### https://www.csirs.org.in/uploads/paper pdf/lok-sanskriti-ke-aaine-mein-loksahitya.pdf

#### भाग द-अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

### अनुशंसितसतत मूल्यांकन विधियां:

अधिकतम अंक: 100

सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 30 विश्वविद्यालयीनपरीक्षा (UE) अंक: 70

| आंतरिक मूल्यांकन:                  | क्लास टेस्ट                           |  |                       |
|------------------------------------|---------------------------------------|--|-----------------------|
| <b>सतत व्यापक मूल्यांकन</b> (CCE): | असाइनमेंट/ प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन) | 30   |                       |
| आकलन :                             | अनुभाग (अ): अति लघु प्रश्न            |  |                       |
| विश्वविद्यालयीन परीक्षाः           | अनुभाग (ब): लघु प्रश्न                | 70   |                       |
| समय- 03.00 घंटे                    | अनुभाग (स): दीर्घ उत्तरीय प्रश्न      |  |                       |
| कोई टिप्पणी/सुझाव:                 |                                       | 50   | 2                     |
|                                    | 7.11<br>5. 40<br>3482451<br>A.E.C.    | 2022<br>201 301<br>25-574 31242<br>Ay cla, Rest. | म्न मन्छर<br>साहित्यु |